RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

दैनिक

सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

11 वर्ष

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, मंगलवार ●14 मई , 2024 वर्षः-12 अंक - 16 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

इंदौर में ओले-बारिश से शाम तक धीमा हुआ मतदान

इंदौर। सुबह छह बजे से ही वोटिंग शुरू हो गई। भीषण गर्मी को देखते हुए मतदान केंद्रों पर सुबह से ही लाइनें लगना शुरू हो गई हैं। इंदौर में सुबह बादल छाए थे लेकिन मौसम में ठंडक के बावजूद वोटिंग का प्रतिशत सुबह कम रहा। दोपहर में तेज धूप निकली और 12 बजे से वोटिंग प्रतिशत सुधरना चालू हुआ। लोकतंत्र के सबसे बड़े उत्सव में इंदौरवासियों ने उत्साह दिखाया। इंदौर में 60.75 प्रतिशत लोगों ने मतदान किया। यह पिछले चुनाव की तुलना में भले ही कम है, लेकिन वर्ष 2016 के लोकसभा चुनाव से अधिक है। तब इंदौर में 56 प्रतिशत मतदान हुआ था। हालाँकि कांग्रेस का उम्मीदवार मैदान में नहीं होने के कारण इंदौर में वोटिंग कम होने की आशंका जताई जा रही थी।

नोटा पर कई जगह विवाद

कांग्रेस ने जनता से नोटा पर वोट देने की अपील की है। इस पर कई जगह विवाद हुआ है। वोटिंग के दौरान राऊ और नंदा नगर के सुगनी देवी कॉलेज परिसर में कांग्रेस और भाजपा कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। बताया जा रहा है कि यहां पर कांग्रेस कार्यकर्ता लोगों को नोटा पर वोट देने के लिए कह रहे थे। विधानसभा चार के बूथ क्रमांक 43 रामकृष्ण बाग पर पीठासीन अधिकारी शबनम खान ने भी लोगों को नोटा पर वोट डालने के लिए प्रेरित किया। इस पर विधायक मालिनी गौड़ ने आपत्ति ली और निर्वाचन अधिकारियों से शिकायत दर्ज करवाई।

नहीं मिले मतदाता सूची में नाम

कई बूथों पर लोगों को मतदान किए बगैर लौटना पड़ा,क्योंकि मतदाता सूची में उनका नाम नहीं था। कुछ लोगों के मतदान केंद्र बदल गए थे, उन्हें भी परेशानी हुई। इंदौर लोकसभा क्षेत्र में 30 से ज्यादा स्थानों पर मशीनें खराब होने की शिकायतें भी आती रही। वहां तकनीकी टीम ने जाकर यूनिट को ठीक किया।

तीन नंबर विधानसभा क्षेत्र में सबसे कम वोटिंग

अंतिम चरण के चुनाव में मालवा निमाड़ की आठ सीटों पर वोटिंग हुई। इंदौर के तीन नंबर विधानसभा क्षेत्र में पूरे इंदौर-उज्जैन संभाग में सबसे कम 56.54 प्रतिशत वोटिंग हुई। इस विधानसभा क्षेत्र इंदौर का व्यापारिक क्षेत्र माना जाता है। यहां 30 हजार से ज्यादा अल्पसंख्यक वोटर भी है। इस क्षेत्र के दौलतगंज, रानीपुरा, तोड़ा, कबूतरखाना क्षेत्र के बूथों पर काफी कम मतदान हुआ। ज्यादातर बूथों पर कतारें नजर नहीं आए। बूथों के बाहर लगी टेबलों पर भी भाजपा कार्यकर्ता सक्रिय नजर नहीं आए।

संक्षिप्त समाचार

सोनिया गांधी बोलीं-

आज महिलाओं को महंगाई का सामना करना पड़ रहा है, कांग्रेस का हाथ आपके साथ है

नईदिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनावों के चौथे चरण के लिए सोमवार को वोट डाले गये। इस बीच यूपीए की चेयरपर्सन सोनिया गांधी ने एक वीडियो मैसेज जारी किया। इसमें उन्होंने कांग्रेस की महालक्ष्मी योजना के बारे में बताया है। सोनिया ने कहा स्वतंत्रता की लड़ाई से

लेकर आधुनिक भारत बनाने में महिलाओं का बहुत बड़ा योगदान रहा है, लेकिन आज महिलाओं को भयंकर महंगाई का सामना करना पड़ रहा है। उनकी मेहनत और तपस्या के साथ न्याय करने के लिए कांग्रेस एक क्रांतिकारी कदम उठा रही है। उन्होंने कहा– कांग्रेस महालक्ष्मी योजना से गरीब परिवारों की महिलाओं को 1 लाख रुपए देकर उनकी स्थिति में सुधार करेगी। कर्नाटक और तेलंगाना में पहले ही हमारी गारंटियों ने करोड़ों परिवारों की जिंदगी बदल दी है।

पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती का चुनाव आयोग को लेटर, लिखा- पार्टी कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी रोके

श्रीनगर (एजेंसी)। पीपुल्स डेमोक्रेटिक चीफ महबूबा मुफ्ती ने पार्टी कार्यकर्ताओं के उत्पीड़न और अवैध गिरफ्तारी को रोकने के लिए चुनाव आयोग को लेटर लिखा है। मुफ्ती ने कहा– मुझे पता चला है कि केंद्र सरकार के कहने पर

राज्य प्रशासन, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के मतदाताओं और समर्थकों को डराने–धमकाने में लगा है। महबूबा ने लिखा– मैं पुलवामा और शोपियां जिलों में सुरक्षा एजेंसियों की छापेमारी और पीडीपी कार्यकर्ताओं को परेशान करने की खबरों से बहुत परेशान हूं। कई पार्टी सदस्यों, समर्थकों और कार्यकर्ताओं को बिना किसी कारण के मनमाने ढंग से हिरासत में लिया गया है। पीडीपी चीफ ने चुनाव आयोग से अपील की– मैं आपसे चुनाव में धांधली की किसी भी कोशिश को नाकाम करने और लोकतंत्र की रक्षा के लिए तुरंत ऐक्शन लें।

10 राज्यों की 96 सीटों पर , आम चुनाव के चौथे चरण में

छुटपुट घटनाओं के बीच 62.31 फिसदी मतदान

आंध्र में विधायक-वोटर ने एक-दूसरे को थप्पड़ मारे, कांग्रेस प्रत्याशी के भाई ने शख्स को लात मारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के चौथे फेज में सोमवार को 9 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर की 96 सीटों पर वोटिंग हुई। कुल 1717 उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में कैद हो गई। आम चुनाव के चौथे चरण में 5 बजे तक 62.31 प्रतिशत मतदान हुआ। इसके अलावा आंध्र प्रदेश की 175 और ओडिशा की 28 विधानसभा सीटों पर भी मतदान हो रहा है।

चुनाव के बीच पश्चिम बंगाल, बिहार और महाराष्ट्र में तीन लोगों की अलग-अलग वजह से मौत हुई है। पश्चिम बंगाल के बोलपुर में वोटिंग से एक दिन पहले टीएमसी कार्यकर्ता की हत्या हो गई। टीएमसी ने सीपीआई (एम) समर्थकों पर बम धमाके का आरोप लगाया है। दुर्गापुर में भाजपा और टीएमसी समर्थकों के बीच झड़प हुई है।

बिहार पोलिंग एजेंट की हार्ट अटैक से मौत

बिहार के मुंगेर में वोटिंग से पहले एक पोलिंग एजेंट की हार्ट अटैक से मौत हो गई। मुंगेर में ही वोटिंग के दौरान पर्ची नहीं देने के आरोप में कुछ लोगों ने सुरक्षाकर्मियों पर पथराव किया। पुलिस ने लाठीचार्ज किया और 2 युवकों को हिरासत में ले लिया। महाराष्ट्र के बीड में एक न्यूज चैनल के पत्रकार की हार्ट अटैक से मौत हुई है।

वोटर ने विधायक को थप्पड़ मारा

आंध्र प्रदेश के गुंटूर से बायएसआर कांग्रेस के विधायक अन्नाबाथुनी शिवकुमार ने एक बूथ पर वोटर को थप्पड़ जड़ दिया। जवाब में वोटर ने भी उन्हें थप्पड़ मारा। इसके बाद विधायक समर्थकों ने शख्स की पिटाई कर दी। शख्स ने विधायक को कतार में नहीं आने पर टोका, जिस पर विवाद हुआ। आंध्र प्रदेश में ही वोटर के साथ दुर्व्यवहार का एक दूसरा मामला सामने आया है। जहीराबाद के कांग्रेस प्रत्याशी सुरेश शेतकर के भाई नागेश शेतकर ने एक वोटर को लात मारी। किसी बात को लेकर दोनों के बीच बहस हुई। इसके बाद वोटर की बाइक गिरा दी गई, जब वो उठाने गया तो उसे शेतकर ने पैर से मारा। दोपहर 3 बजे तक सभी लोकसभा सीटों पर 52.60 प्रतिशत वोटिंग हो चुकी है। सबसे ज्यादा पश्चिम बंगाल में 66.05 प्रतिशत और जम्मू कश्मीर में सबसे कम 29.93 प्रतिशत वोटिंग हुई। इसके अलावा आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनाव में 55.49 प्रतिशत और ओडिशा विधानसभा के फर्स्ट फेज में 52.91 प्रतिशत वोटिंग हो चुकी है।

मध्य प्रदेश में चौथे चरण में 8 लोकसभा सीटों पर 71.72 प्रतिशत हुआ मतदान

भोपाल, इंदौर। मध्य प्रदेश में लोकसभा चुनाव के चौथे और अंतिम चरण में सोमवार को मालवा-निमाड़ अंचल की आठ लोकसभा सीटों देवास, उज्जैन, मंदसौर, रतलाम, धार, इंदौर, खरगोन और खंडवा लोकसभा सीटों पर सुबह सात बजे से शुरू हुआ मतदान शाम 6 बजे थम गया। आठ सीटों पर 74 उम्मीदवार मैदान में थे। मतदान के लिए 18 हजार केंद्र बनाए गए।

आदिवासी अंचल बड़वानी में पारंपरिक वेशभूषा में पहुंचे मतदात– बड़वानी जिले के आदिवासी अंचल पाटी विकासखंड के कुछ गांवों में मतदाता पारंपरिक वेशभूषा में पहुंचे। विकासखंड के ग्राम गुड़ी में पारंपरिक वेशभूषा में पहुंची युवतियों व महिलाओं ने मतदान कर खुशी जताई। मतदाताओं ने अंगुली पर स्याही दिखाकर उत्साह जताया।

पीएम ने दो तरह के जवान बनाए, गरीब और अमीर

गरीब को अग्निवीर नाम दिया, जिसे शहीद का दर्जा नहीं मिलेगा

रायबरेली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने रायबरेली में कहा– प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो तरह के जवान बनाए हैं। एक– जो गरीबों का बेटा होगा, दलित, आदिवासियों, पिछड़ों का

बेटा होगा, दूसरा– अमीर घर का बेटा होगा। गरीब घर के बेटे को उन्होंने अग्निवीर नाम दिया है। उससे कहा है कि तुम्हारी जान जाएगी तो तुम्हें शहीद का दर्जा नहीं मिलेगा। तुम्हें पेंशन और केंटीन की सुविधाएं भी नहीं मिलेंगी। अगर तुम शहीद हुए तो भारत सरकार तुम्हारे परिवार की रक्षा नहीं करेगी। अगर आप अग्निवीर नहीं हो, अगर आप सीनियर अफसर या चार में से एक हो तो आपको पेंशन मिलेगी, शहीद का दर्जा मिलेगा।

पीएम ने पटना साहिब गुरुद्वारे में बनाया खाना,रोटी बेली

लंगर में बैठे लोगों को परोसा भी; अरदास लगाई, माथा टेका

पटना (एजेंसी)। बिहार दौरे के दूसरे दिन सोमवार को पीएम मोदी पटना सिटी के तख्त श्री हरमंदिर साहिब गुरुद्वारे पहुंचे। पीएम ने यहां माथा टेका और अरदास की। यहां प्रसाद खाने के बाद पीएम लंगर वाले एरिया में गए। वहां उन्होंने खाना बनाया। प्रधानमंत्री ने रोटियां भी बेलीं। साथी ही लंगर में लोगों को अपने हाथ से खाना परोसा। पीएम सिर पर पगड़ी पहने हुए थे। वे गुरुद्वारे में करीब 20 मिनट रुके। उनके साथ रविशंकर प्रसाद और अश्विनी चौबे भी थे। यह पहला मौका है, जब कोई पीएम पटना साहिब गुरुद्वारे पहुंचे हैं। प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर पटना सिटी में चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी। पीएम के कार्यक्रम को लेकर सिख समुदाय के लोगों में काफी उत्साह दिखा। तख्त श्री हरविंदर साहिब गुरुद्वारा को रंग रोगन के साथ दुल्हन की तरह सजाया गया था।

भगवा रंग में रंगी वाराणसी, रोड शो में पीएम मोदी का हुआ भव्य स्वागत

वाराणसी (एजेंसी)। पीएम मोदी ने रोड शो से पहले महामना मदन मोहन मालवीय की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। पीएम मोदी का रोड शो में भव्य स्वागत हुआ। पीएम मोदी आज यानी मंगलवार को तीसरी बार बनारस से नामांकन करेंगे।

बिहार में मोदी का इंडिया गठबंधन पर पलटवार

कहते हैं पाकिस्तान ने चूड़ियां नहीं पहनी हैं, अरे भाई हम उनको पहना देंगे

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष पर जमकर निशाना साधा और उसके नेताओं को ''कायर'' बताया जो ''पाकिस्तान की परमाणु शक्ति से डरे हुए'' हैं। बिहार के मुजफ्फरपुर लोकसभा क्षेत्र में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) उम्मीदवार के पक्ष में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए, मोदी ने कहा, ''देश का चुनाव है, ये हिंदुस्तान का भविष्य तय करने का चुनाव है, ये चुनाव देश का नेतृत्व चुनने का चुनाव है। देश, कांग्रेस वाली कमजोर, डरपोक और अस्थिर सरकार बिल्कुल नहीं चाहता।'' ''ये 'इंडिया' गठबंधन के नेताओं के कैसे बयान आ रहे हैं। ये लोग इतने डरे हुए हैं कि इनको रात में सपने में भी पाकिस्तान का परमाणु बम दिखायी देता है। कहते हैं कि पाकिस्तान ने चूड़ियां नहीं पहनी हैं। अरे भाई, हम पहना देंगे। उनको आटा भी चाहिए, बिजली भी नहीं है। अब हमको मालूम नहीं था कि उनके पास चूड़ियां भी नहीं हैं।

पीओके पर विदेश मंत्री जयशंकर की दो टूक

था, है और रहेगा...कहा- उल्टी दिशा में चल रहा विपक्ष

नईदिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पीओके को भारत में विलय करने के भारत के रुख की पुष्टि की। पीओके में आर्थिक बदहाली के खिलाफ चल रहे विरोध-प्रदर्शनों के कारण झड़पें और बवाल पैदा हो रहे हैं। पाकिस्तान और पीओके की सरकार के सामने चुनौती है कि वो आम नागरिकों के गुस्से का सामना करे तो कैसे।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने फिर कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाला जम्मू-कश्मीर (पीओके) पहले भी भारत का था, आज भी भारत का ही है और आगे भी भारत का ही रहेगा। उन्होंने साफ कहा कि पाकिस्तान ने अवैध कब्जा कर रखा है जिसे छुड़ाने के लिए भारत प्रतिबद्ध है। जयशंकर ने कहा, पीओके भारत का हिस्सा था, है और हमेशा रहेगा। उन्होंने मुंबई में नैशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) में भारतीय पूंजी बाजार विकसित भारत के लिए रोडमैप पर एक सेमिनार में मीडिया से बातचीत के दौरान ये बातें कहीं।

उन्होंने आगे जोर देकर कहा कि भारत की नीति स्पष्ट है- पीओके पर अवैध कब्जे को हटाना है और इसका भारत में विलय करना है। क्या विपक्षी दल भी पीओके पर ऐसी ही राय रखते हैं? इस सवाल पर जयशंकर ने कहा कि विपक्ष उल्टी दिशा में बढ़ रहा है। विदेश मंत्री बोले, हमारा इरादा पक्का है कि एक दिन पीओके पर अवैध कब्जा हटेगा और इसका भारत में विलय होगा। अब आप देखिए कि किस तरह विपक्ष उल्टी दिशा में चल रहा है।

जयशंकर ने जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को हटाने का जिक्र किया। उन्होंने कहा, अगर मैं रिकॉर्ड की बात करूं तो पिछले पांच सालों में हमारी सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक अनुच्छेद 370 को हटाना है।

दिल्ली सीएम हाउस में स्वाति मालीवाल से मारपीट का आरोप

- केजरीवाल के पीए ने पीटा, पुलिस बोली- सांसद मैडम ने 2 बार फोन कर जानकारी दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आप की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल से सोमवार को दिल्ली सीएम हाउस में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पीए विभव कुमार ने

मारपीट की। यह दावा भाजपा के आईटी सेल के चीफ अमित मालवीय ने किया है। उन्होंने कहा कि आप सांसद स्वाति मालीवाल के साथ सीएम केजरीवाल के पीए विभव कुमार ने मारपीट की है। ये घटना सीएम हाउस में हुई, लेकिन कोई आधिकारिक रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई गई है। दोपहर 4 बजे तक ना दिल्ली महिला आयोग ना आप पार्टी ने इस घटना की पुष्टि की।

पुलिस ने कहा– मैडम थाने आई थीं, लेकिन शिकायत नहीं की– डीसीपी (नॉर्थ) मनोज मीना ने बताया, हमें सुबह 9:34 बजे एक पीसीआर कॉल मिली जिसमें कॉल करने वाले ने कहा कि उसके साथ सीएम आवास के अंदर मारपीट की गई है। उसके बाद स्थानीय पुलिस और एसएचओ ने कॉल का जवाब दिया।

एक गुब्बारे ने निकाल दी चीन की हवा !

अमेरिकी प्रतिबंधों से बुरी तरह हिली ड्रैगन की इकॉनमी

यूएस/बीजिंग (एजेंसी)। दुनिया की दो सबसे बड़ी इकॉनमी वाले देशों अमेरिका और चीन के बीच लंबे समय से तनाव चल रहा है। लेकिन पिछले साल फरवरी में हुई एक घटना ने दोनों देशों को बहुत दूर कर दिया है। चीन का एक गुब्बारा अमेरिका के ऊपर मंडरा रहा था। अमेरिका ने इसे जासूसी गुब्बारा बताया था। हालांकि चीन का कहना था कि यह मौसम की थाह लेने वाला गुब्बारा था जो उड़कर अमेरिका पहुंच गया था। लेकिन अमेरिका ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए चीन की कई कंपनियों पर पाबंदी लगा दी। चीन ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अमेरिका मामले को जरूरत से ज्यादा तूल दे रहा है। लेकिन इस घटना के बाद से ही चीन के बुरे दिन शुरू हो गए। देश की इकॉनमी कई मोर्चों पर संघर्ष कर रही है।

बाइडन सरकार ने गुरुवार को चीन की 37 और कंपनियों पर पाबंदियां लगा दी। इनमें से कुछ कंपनियों पर चीन के जासूसी गुब्बारे को सपोर्ट करने का आरोप है। कॉमर्स डिपार्टमेंट का कहना है कि

वह चाइना इलेक्ट्रॉनिक्स टेक्नोलॉजी ग्रुप की कुछ कंपनियों को उस लिस्ट में शामिल कर रहा है जो अमेरिकन टेक्नोलॉजी को हासिल करने की योजना बना रही हैं। चीन क्वांटम टेक्नोलॉजी की क्षमताओं विकसित कर रहा है। अमेरिका का कहना है कि इस टेक्नोलॉजी के सैन्य इस्तेमाल से उसकी राष्ट्रीय सुरक्षा को गंभीर हो सकता है। चाइना इलेक्ट्रॉनिक्स टेक्नोलॉजी ग्रुप चीन की सेना का टॉप सप्लायर है। पिछले महीने चीन के कॉमर्स डिपार्टमेंट ने चीन के पांच कंपनियों और एक रिसर्च इंस्टीट्यूट को इस लिस्ट में शामिल किया था।

संक्षिप्त समाचार

पार्वती नदी से अवैध रूप से पानी निकालते हुए दूसरे दिन भी दो मोटर जब्त की गई

सीहोर (निप्र)। राजस्व, एसडीआरएफ तथा नगर पालिका की संयुक्त टीम द्वारा तहसीलदार श्री भरत नायक के नेतृत्व में कार्यवाही करते हुए ग्राम काहिरी कदीम में पार्वती नदी से अवैध रूप से पानी निकालते हुए दो मोटर जब्त की गई। गत दिवस भी संयुक्त दल द्वारा कार्रवाई करते हुए दो मोटर जब्त की गई थी।कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह ने संयुक्त अमले को नियमित भ्रमण करने तथा अवैध रूप से पानी का दोहन करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

3 विधानसभा के लिए लगेंगे 16 टेबल

नर्मदापुरम (निप्र)। लोकसभा चुनाव के लिए हुए मतदान के बाद अब मतगणना की तैयारी तेज हो गई है। चुनाव परिणाम जल्द आएं इसके लिए सिवनीमालवा, पिपरिया, सोहागपुर विधानसभा के लिए 16-16 टेबल लगाए जाएंगे। वहीं होशंगाबाद विधानसभा के लिए 14 टेबल लगेंगे। रिजल्ट होशंगाबाद के अलावा नरसिंहपुर और रायसेन से आंकड़े आने और कंपाइल होने के बाद जारी होंगे। संसदीय क्षेत्र के विजेता को नर्मदापुरम मतगणना स्थल से ही प्रमाण पत्र दिए जाएंगे। मतगणना की गिनती 4 जून को सुबह 8 बजे से हो जाएगी। इसमें पहले डाक मत पत्र गिने जाएंगे। लोकसभा चुनाव के लिए दूसरे चरण में हुए चुनाव के बाद से ही लोगों को मतगणना का इंतजार है। प्रशासन और पुलिस ने भी तैयारी तेज कर दी है। निर्वाचन सुपरवाइजर कैलाश दुबे ने बताया कि 4 जून को मतगणना तय समय पर शुरू होगी। अभी टेबल लगाने का काम हो रहा है। विधासनसभा की तुलना में लोकसभा चुनाव की मतगणना के लिए दो-दो टेबल तीन विधानसभा में ज्यादा लगाए जा रहे हैं।

विजेंद्र नारायण पहलवान का निधन

सीहोर (निप्र)। टेनिस और क्रिकेट के राष्ट्रीय खिलाड़ी शैलेंद्र नारायण पहलवान के बड़े भाई और रोहन व चित्रांश के पिताजी विजेंद्र नारायण पहलवान (प्रबंधक पियरलेस कंपनी) का निधन हो गया। उन्होंने भोपाल के एक निजी अस्पताल में आखिरी सांस ली। वह 73 वर्ष के थे और कुछ दिनों से उम्र संबंधी बीमारियों के चलते अस्वस्थ थे।

दलित युवक को दबंगों ने पीटा, मामला दर्ज

सीहोर (निप्र)। दलित प्रताड़ना और उनसे भेदभाव की घटनाएं जिले में थमने का नाम नहीं ले रही हैं। जिले के बिलकिस गंज थाने के तहत हाल ही में मामला प्रकाश में आया है, यहां पर गांव के जातिवादी मानसिकता के लोगों ने एक दलित युवक के मारपीट कर उसकी जाति को लेकर अपमानित किया। पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर लिया है, लेकिन आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई है। बता दें कि ग्राम बिलकिसगंज में रहने वाले 23 वर्षीय रूपेश जांगड़े ने बताया कि 7 मई की शाम को गांव के ही कपिल शर्मा, रवि शर्मा और नंदी महाराज ने उसे कोलार रोड पर रोका और जातिसूचक गालियां देने लगे। जब मैंने इसका विरोध किया तो उन्होंने मुझे बेरहमी से पीटा।

मोटर पंप चालू करने गए युवक को लगा करंट, मौत

हरदा (निप्र)। हंडिया थाना क्षेत्र के ग्राम बिछोला में शनिवार देर शाम को एक 18 वर्षीय युवक की बिजली की मोटर का स्टार्टर सुधारते समय करंट लगने से मौत हो गई है। रविवार सुबह जिला अस्पताल में मृतक के शव का पीएम कर परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की है। जानकारी के अनुसार ग्राम बिछोला का रहने वाला प्रताप पिता ज्ञान सिंह 18 शनिवार शाम को अपने खेत में लगी मूंग की फसल में दवाई देने के लिए गया हुआ था।

गंभीर हालत में युवक भोपाल रैफर:गेट पर खड़ा था युवक दूसरी ट्रेन की नेम प्लेट उछलकर आई, हाथ कटा

हरदा (निप्र)। रविवार को भागलपुर एक्सप्रेस से खंडवा से हरदा आ रहे एक युवक का हाथ कट गया। युवक ट्रेन के गेट के को पकड़कर खड़ा हुआ था, तभी पास से गुजरी दूसरी ट्रेन की नंबर प्लेट तेजी से आकर उसके हाथ से टकराई। ट्रेन की गति अधिक होने से नेम प्लेट से युवक का हाथ कटकर अलग हो गया। उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती किया। जहां से उसे भोपाल रेफर कर दिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार खंडवा जिले के पुनासा के सुदामा नगर निवासी कबीरा उर्फ आकाश पिता संजय योगी 19 साल रविवार शाम को भागलपुर एक्सप्रेस से खंडवा से हरदा अपने भाई को लेने आ रहा था। वह गेट पकड़कर खड़ा हुआ था, तभी दूसरे ट्रैक से दूसरी ट्रेन गुजरी। इसी दौरान ट्रेन की नेम प्लेट उछलकर आई और कबीरा के हाथ से टकरा गई। नेम प्लेट की धार से उसका हाथ कटकर अलग हो गया और ट्रैक पर ही गिर गया।

यात्रियों ने गमछे से हाथ बांधकर स्टेशन मास्टर को दी सूचना

जैसे ही यात्रियों ने देखा तो उसके हाथ को गमछे से बांधकर स्टेशन मास्टर को सूचना दी। ट्रेन के हरदा में रुकते ही मेडिकल टीम मौके पर पहुंची। इसके बाद उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर आए। ईएमटी सुभाष पंवार और ड्राइवर हंसराज ने बताया युवक की हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल से भोपाल रेफर किया है।

युवाओं ने अवकाश के दिन ट्रेन में यात्रियों के लिए की जल सेवा

हरदा (निप्र)। शहर के युवाओं ने रविवार को छुट्टी के दिन का उपयोग किया। उन्होंने दोपहर में रेलवे स्टेशन पहुंचकर यात्रियों के लिए जल सेवा की। युवाओं ने कहा वे छह दिन अपनी दुकान, व्यापार में व्यस्त रहते हैं। इसी के चलते छुट्टी के दिन यात्रियों को ठंडा पानी पिलाने का काम किया है। युवा शुभम सुरमा, मुजाहिद अली ने बताया करीब दो घंटे ट्रेन में यात्रियों को पानी पिलाने के लिए सेवा दी। आगे भी वे छुट्टी के दिन अपने साथियों के साथ जल सेवा करेंगे।

नर्मदा में नहाने गए दामाद की डूबने से मौत, तुलादान में आया था

भैरूंदा (निप्र)। रविवार को नर्मदा तट नीलकंठ में तुलादान कार्यक्रम में शामिल होने आए दामाद की नहाने के दौरान डूबने से मौत हो गई। घटना सुबह करीब 10 बजे की है। जिस समय यह घटना घटित हुई उस समय परिवार के लोग तुलादान के कार्यक्रम में व्यस्त थे। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरु की है। थाना प्रभारी घनश्याम सिंह दांगी ने बताया कि इंदौर जिले के मानपुर निवासी 24 वर्षीय लखन गुजरिया भैरुंदा के किसान मोहल्ला स्थित अपनी ससुराल में पत्नी व बच्चों के साथ आया था। सुबह परिवार के सभी लोग एकत्रित होकर नर्मदा तट नीलकंठ पहुंचे जहां पूजा एवं तुलादान का कार्यक्रम होना था। परिवार के सभी लोग कार्यक्रम में व्यस्त थे इसी दौरान लखन गुजरिया नहाने के लिए पेड़ीघाट नीलकंठ पहुंचा। नदी में उतरते ही वह सीधे गहरे पानी में चला गया। जिस समय यह हादसा घटित हुआ तब गांव के अन्य लोग वहां पर स्नान कर रहे थे। ग्रामीणों ने जब युवक को देखा कि वह पानी से बाहर नहीं निकला है तो उसे ढूंढने की कोशिश की। लेकिन वह नदी में बने हुए गहरे गड्ढे में समा गया था। काफी मशक्कत के बाद पुलिस की मदद से लखन को खोजा जा सका। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। कई लोगों की जान ले चुका है पेडी घाट, गहरे गड्ढे बने कारण नीलकंठ स्थित पेडी घाट पर पहले भी कई लोगों की जान जा चुकी हैं। लेकिन प्रशासन ने इस मामले में अभी तक संज्ञान नहीं लिया है। जिस समय नीलकंठ स्थित खाली मैदान पर घाट का निर्माण हुआ था, तब इस पर ध्यान नहीं दिया गया। नतीजा यह रहा की ठेकेदार के द्वारा निर्माण के दौरान नदी के अंदर एक बड़ा स्लेव तैयार नहीं किया। बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को पता ही नहीं कि कहां गहरा गड्ढा है।

समर कैंप में बच्चे सीख रहे खेल की बारीकियां

भैरूंदा (निप्र)। विद्यार्थियों के अवकाश के दिनों को रोचक बनाने के लिए बीते 1 मई से सीएम राइज विद्यालय में समर कैंप आयोजित किया जा रहा है। इस समर कैंप में बच्चे अवकाश के दिनों का लाभ उठाते हुए रोचक गतिविधियां सीखते चले आ रहे हैं। इस कैंप में बच्चे अपनी रूचि के अनुसार विभिन्न गतिविधियों में शामिल होकर लाभ उठा रहे है।

कैंप की नोडल अधिकारी आरती कुशवाह ने बताया कि समर कैंप में बच्चों को नृत्य, संगीत, चित्रकला, कम्प्यूटर तथा खेल की गतिविधियां सुबह 8 बजे से 10 बजे तक संचालित की जा रही है, जिसमें छात्र बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। वहीं व्यायाम शिक्षक सचिन त्रिवेदी ने बताया कि कैंप की शुरुआत सुबह 8 बजे योग से की जाती है। इसके बाद बच्चों को फुटबाल, व्हॉलीबाल, रस्सी कूद, रस्साकशी, शतरंज, कैरम जैसे अनेक खेलों का अभ्यास कराया जाता है, जिनमें छात्रों में अधिक उत्साह रहता है।

कैंप में बच्चों को नृत्य सिखा रही शिक्षिका कुसुम शर्मा ने बताया कि क्लासिकल डांस के साथ ही वेस्टर्न डांस भी बच्चों को सिखाया जा रहा है। साथ ही संगीत की कक्षाओं में गायन और वादन का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। समर कैंप में विभिन्न गतविधियों के प्रभारी हर्षवर्धन पाठक बताते हैं कि उनके विभाग में कम्प्यूटर की बेसिक ट्रेनिंग छात्रों को दी जा रही है, जिससे वे कंप्यूटर का सामान्य परिचालन करना सीख रहे हैं।

संस्था प्राचार्य शैलेन्द्र लोया ने कहा कि सीएम राइज विद्यालय का उद्देश्य ही छात्रों का सर्वांगीण विकास करना है और इसी अवधारणा के तहत सीएम राइज विद्यालय छात्र हित में काम कर रहा है। समर कैंप में हमारे शिक्षक साथी अपने पूरे मनोयोग से बच्चों के विकास में लगे हुए हैं, जिनमें हमें पल्लवी यादव, प्रियंका पंवार, साक्षी त्रिपाठी और मयंक नाग खास तौर पर बच्चों की मदद कर रहे हैं।

आदि शंकराचार्य की नीतियों को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी हम सबकी: निशा

सीहोर। हर साल की तरह इस साल भी श्रद्धा भक्ति सेवा समिति के तत्वावधान में शहर के वृद्धाश्रम में जगदुरु शंकराचार्य का जन्मोत्सव आस्था और उत्साह के साथ मनाया गया। इस मौके पर समिति की अध्यक्ष निशा सिंह ने कहा कि आदिशंकराचार्य ने अपनी विद्वता, त्याग व समर्पण से सनातन धर्म का वैभव पूरी दुनिया में फैलाया था। आज आदि शंकराचार्य की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने की जरूरत है। यह हम सबकी जिम्मेदारी है कि उनकी नीतियों को आगे बढ़ाएं और सनातन धर्म का वैभव पूरी दुनिया में फैलाएं। इस मौके पर शिव प्रदोष सेवा समिति के पंडित कुणाल व्यास ने कहा कि शंकराचार्य ने अवतरित होकर सनातन धर्म की रक्षा की, भारत की एकता अखंडता के लिए देश के चारों कोनों में चार प्रधान मठ स्थापित किए और समग्र देश में नवयुग स्थापित कर दिया।

अद्वैतवाद के प्रवर्तक आद्य शंकराचार्य का ब्रह्म सूत्र पर भाष्य व उपलब्ध 272 ग्रंथ स्त्रोत उनके अलौकिक व्यक्तित्व, गंभीर विचार शैली, प्रचंड कर्मशीलता, अगाध भगवद्भक्ति, सर्वोत्तम त्याग, अद्भुत योगेश्वर आदि अनेक गुणों पर प्रकाश डालते हैं। यही कारण है कि अल्प आयु में ही उनको भारत के आध्यात्मिक व धार्मिक क्षेत्र में जगदुरू की उपाधि प्रदान की गई।

पर्यटन विभाग के एमडी का पचमढ़ी दौरा एमपीटी की होटलों की देखी व्यवस्था

बोले- पर्यटकों को कोई दिक्कत न हो

नर्मदापुरम (निप्र)। पर्यटन विभाग के एमडी इलैयाराजा टी ने हिल स्टेशन पचमढ़ी पहुंचे। एमडी इलैयाराजा टी ने कलेक्टर सोनिया मीना के साथ साडा एवं एमपीटी अंतर्गत संचालित होटल और परिसंपत्तियों का निरीक्षण किया गया। देवदारू रिजॉर्ट, कर्णिका होटल, हिल टॉप होटल, ग्लेन व्यू होटल, ओल्ड होटल, पंचारण्य, नीलांबर होटल पहुंचकर वहां पर पर्यटकों को दी जाने वाली सुविधाओं को देखा। निर्माण अधीन कार्यों का निरीक्षण किया। उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने आंगनवाड़ी पहुंचकर भी स्व सहायता समूह की महिलाओं से चर्चा की। निरीक्षण उपरांत मप्र पर्यटन विभाग के अधिकारियों व साडा के अधिकारियों के साथ मध्य-प्रदेश पर्यटन विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न कार्य, पर्यटन विकास के संबंध में विस्तार पूर्वक बैठक कर समीक्षा की गई। एमडी कहा मप्र पर्यटन विभाग पचमढ़ी में आने वाले पर्यटकों को उच्च स्तरीय सुविधाएं प्रदान करने में व उनमें निरंतर वृद्धि करने के लिए सदैव तत्पर है। कलेक्टर सोनिया मीना ने एमपीटी के अधिकारियों तथा साडा के अधिकारियों को निर्देश किया है कि माह में एक बार संयुक्त रूप से पचमढ़ी शहर के विकास, पर्यटन विकास के संबंध में आवश्यक रूप से समीक्षा बैठक करें। बैठक में पचमढ़ी में स्थित एयर स्ट्रिप, शहर में स्वच्छता स्वच्छता, पर्यटन स्थलों पर टॉयलेट्स की उपलब्धता आदि के संबंध में भी विस्तार पूर्वक समीक्षा की।

ब्यावरा : शहीद कॉलोनी स्थित सेवाकेंद्र पर मातृ दिवस मनाया

स्वस्थ एवं सुखी परिवार के लिए माताओं की भूमिका पर कार्यक्रम आयोजित

ब्यावरा। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय शहीद कॉलोनी स्थित सेवाकेंद्र पर मातृ दिवस (मदर्स डे) 12 मई रविवार 2024 शाम को 7-00 बजे कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें सेवा केंद्र की संचालिका ब्रह्माकुमारी लक्ष्मी दीदी और देव दीदी ने सभी मातृ शक्तियों का तिलक, पुष्प गुच्छ एवं दुपट्टा और ताज पहना कर सम्मान किया। सभी माताओं ने प्रेम के दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

इस मौके पर लक्ष्मी दीदी ने माता के सम्मान में उनकी महिमा करते हुए कहा कि सबसे बड़ी परमात्मा तो हमारी मां है, जिन्होंने इस संसार की सबसे खूबसूरत रचना की वो मां है जो कितने भी संघर्ष के बावजूद कभी हार नहीं मानती। मां शब्द में वह जादू है जो हर मुश्किलों को आसान कर देती है। मां हमारे जीवन में भगवान के महत्व को समझती है। वर्तमान समय में परिवार में जो बढ़ रही विकृतियों को खत्म कर एकता, प्रेम व स्नेह के सूत्र में बांधने का श्रेष्ठ कार्य है वो माता ही करती है। मदर्स डे मां के प्रति अपना प्यार, सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए मनाया जाता है। एक मां का आंचल अपनी संतान के लिए कभी छोटा नहीं पड़ता। मां का प्यार अपने बच्चों के लिए इतना गहरा और अटूट होता है कि वो अपने बच्चों की खुशी के लिए सारी दुनिया से लड़ सकती है।

कार्यक्रम में ब्यावरा शहर की विभिन्न विभाग से मातृ शक्तियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। अंत में लक्ष्मी दीदी के द्वारा ईश्वरीय सौगात भेंट कर तथा सुनीता अग्रवाल ने सभी माताओं को मदर्स डे की शुभकामनाएं दी एवं आभार व्यक्त किया।

कलेक्टर ने गूजरवाड़ा एवं डोकरी खेड़ा रेशम प्रक्षेत्र का निरीक्षण किया, रेशम कार्य में संलग्न लखपति दिदियो से की चर्चा, 85 एकड़ के शासकीय उद्यान मटकुली का किया भ्रमण

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोनिया मीना ने शुक्रवार को रेशम केंद्र प्रक्षेत्र गूजरवाडा एवं डोकरी खेड़ा का भ्रमण किया। रेशम कार्य से आजीविका उपार्जन करने वाली लखपति महिलाओं एवं दीदियो से चर्चा की। वही शासकीय उद्यान मटकुली पहुंचकर उद्यान का भ्रमण कर उद्यान में लगे विभिन्न किस्म के आम, नींबू, अमरूद, कटहल और अन्य पौधों की वैरायटी को देखा। कलेक्टर ने सबसे पहले माखननगर के गुजरवाड़ा रेशम प्रक्षेत्र पहुंचकर रेशम पालन कर आजीविका उपार्जन करने वाली महिलाओं से चर्चा की। महिलाओं ने बताया कि एक महिला को एक एकड़ की भूमि पर रेशम के बगीचे उपभोग अधिकार के तहत दिए गए हैं। सभी महिला एक-एक एकड़ में रेशम के कीड़ों का पालन कर एवं रेशम का उत्पादन कर रही है सभी महिलाएं सालाना डेढ़ से 2 लाख रुपए कमा रही है और अपने परिवार का पालन पोषण कर आत्मनिर्भर हो रही है। कलेक्टर को रेशम कार्य में संलग्न लखपति महिलाओं ने बताया कि 2010 से वे यहां पर कार्य कर रही है और हर साल एक एकड़ पर रेशम के कीड़ों का पालन कर आजीविका कमा रही हैं, उन्हें इस कार्य के लिए रेशम विभाग द्वारा प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया है। बताया गया कि रेशम के व्यवसाय से लखपति बनी महिलाओं को औरंगाबाद एवं पुणे के रेशम केंद्र का भी भ्रमण कराया गया है। बताया गया कि रेशम क्षेत्र 60 एकड़ में फैला हुआ है और यहां 40 महिलाएं कार्यरत हैं और इसी से भी अपनी आजीविका चला रही है।

महिलाओं ने बताया कि रेशम के पौधों में गोबर खाद ही डाला जा रहा है। परिवार के सभी लोग रेशम पालन में संलग्न है। महिलाओं ने बताया कि गुजरवाडा में टसर और मलबेरी ककून तैयार किया जाता है। जिला रेशम अधिकारी रविंद्र सिंह ने बताया कि जल्द ही रेशम केंद्र में सोलर प्लांट लगाने प्रस्ताव तैयार गया है। कलेक्टर ने महिलाओं से चर्चा करते हुए कहां की सरकार ने आप सब लोगों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए हर संभव प्रयास किया है, रेशम प्रक्षेत्र बनाया है। आप सभी की मेहनत से आज जिले के रेशम की देश-विदेश में पहचान है।

बताया गया कि रेशम की बिक्री के लिए मध्य प्रदेश सिल्क फेडरेशन द्वारा मार्केटिंग की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। मध्य प्रदेश सिल्क फेडरेशन स्वयं यहां से रेशम का माल उठाता है। बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज द्वारा सुविधा उपलब्ध कराई गई है। महिलाओं को पौधे, अंडे, बिजली, सिंचाई उपकरण एवं पानी उपलब्ध कराए जाते हैं और रेशम बनाने के बाद उनसे रेशम खरीदा भी जाता है। हर महिला आज यहां आत्मनिर्भर है और अपने परिवार का खर्च स्वयं चलाती हैं। कलेक्टर ने गुजर वाडा के कृमि पालन ग्रह का अवलोकन किया। सर्वाइवल के हिसाब से 50त्न तक कृमिपालन सफल रहता है। 1 एकड़ में 1 क्विंटल 20 किलो तक का ककून निकलता है। 400 से 463 रुपए किलो के हिसाब से ककून का विक्रय किया जाता है। कलेक्टर ने तत्पश्चात पिपरिया के डोकरी खेड़ा रेशम केंद्र प्रक्षेत्र का भ्रमण किया। डोगरी खेड़ा में टसर का ककून को संधारित किया जाता है। अगली फसल के अंडे के लिए संधारित किया जाता है। रेशम कृमियों को भंडारित किया जाता है। बारिश में उस ककून से तितली बाहर आती है फिर फीमेल अंडा देती है। बताया गया कि यहां भी महिला श्रमिक उक्त कार्य कर रही है। 8 हेक्टेयर में फैले हुए रेशम प्रक्षेत्र में एक महिला को एक हेक्टेयर के हिसाब से अर्जुन के पौधों वाले भूमि दी गई है। अर्जुन के पौधों पर कीड़ों को चढ़ाया जाता हैऔर इससे रेशम का उत्पादन होता है। जिला रेशम अधिकारी ने बताया कि जिले में चार तरह के रेशम का उत्पादन हो रहा है। मलबरी रेशम, ईरी रेशम, टसर रेशम और मोगा रेशम जिसे गोल्डन सिल्क कहते हैं। बताया गया कि डोगरी खेड़ा के अलावा पाठई एवं खारी में भी टसर रेशम का उत्पादन किया जा रहा है। कलेक्टर ने कृषकों का FPO बनाने और मटकुली स्थित 20 एकड़ रेशम विभाग की ज़मीन को पुनर्जीवित करने के निर्देश जिला रेशम अधिकारी को दिये। कलेक्टर ने शासकीय उद्यान मटकुली का भी भ्रमण किया।

कुत्ते के काटने पर मालिक बना आरोपी, एफआईआर दर्ज:रात में घूमते समय युवक को कुत्ते ने काटा

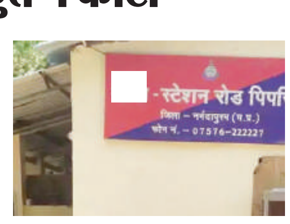

नर्मदापुरम (निप्र)।

नर्मदापुरम के पिपरिया बिजनवाडा में एक पालतू कुत्ते (डॉग) का काटना मालिक के लिए महंगा पड़ गया। कुत्ते के मालिक के खिलाफ पिपरिया के स्टेशन रोड थाने में मुकदमा दर्ज हुआ। जिस व्यक्ति को कुत्ते ने काटा, उस पीड़ित की शिकायत पर यह केस दर्ज हुआ। पूरा मामला कुत्ते को रात में टहलाने के दौरान हुआ।पुलिस के मुताबिक फरियादी मनीष साहू(34) जो बनवारी रोड पिपरिया में रहते है। मोहल्ले में रहने वाले रूप सिंह वर्मा के पास एक पालतू डॉग है। रविवार रात को मालिक रूपसिंह वर्मा अपने कुत्ते को टहला रहे थे। तब फरियादी रास्ते से गुजरे। अचानक कुत्ते ने फरियादी मनीष साहू पर हमला कर काट लिया। दांत लगने से उनके पैर में घाव बन गया। फरियादी कुत्ते के काटने की शिकायत लेकर स्टेशन रोड पिपरिया पहुंचा। उन्होंने डॉग को पालने वाले मालिक रूपसिंह वर्मा के खिलाफ केस दर्ज कराया।

दैनिक
सद्भावना पाती
...प्राणियों में सद्भावना हो...

इंदौर चुनाव : शक के घेरे में मतदान का प्रतिशत

जनता के भरोसे चला नोटा, शहर कांग्रेस का अभियान फेल, जब बूथों पर भीड़ ही नहीं तो इतनी परसेंट वोटिंग कैसे हो गई

डॉ देवेन्द्र मालवीय
9827622204

मध्य प्रदेश में लोकसभा चुनाव के चौथे और अंतिम चरण में सोमवार को मालवा-निमाड़ अंचल की आठ लोकसभा सीटों देवास, उज्जैन, मंदसौर, रतलाम, धार, इंदौर, खरगोन और खंडवा लोकसभा सीटों पर सुबह सात बजे से शुरू हुआ मतदान शाम 6 बजे थम गया। इस तरह अब प्रदेश कि सभी 29 लोकसभा सीटों पर चुनाव संपन्न हो गया है। अब 4 जून के नतीजों का इंतजार है। इनमें सबसे हॉट सीट इंदौर मानी जाती है फिर भी इंदौर में ही सबसे कम वोटिंग प्रतिशत लगभग 59त्न रहा।

बताया जा रहा है कि लोकतंत्र के सबसे बड़े उत्सव में इंदौरवासियों ने उत्साह दिखाया लेकिन इस बार इंदौर लोकसभा सीट पर जो लगभग 59त्न की वोटिंग हुई है वो शक के घेरे में है क्यूंकि जब पोलिंग बूथ पर इतनी जनता ही नहीं थी तो इतने परसेंट वोटिंग कैसे हो गई ? जबकि पिछले चुनाव में दिनभर बूथों पर भीड़ रही तभी मतदान 69 प्रतिशत था तो इस बार बिना भीड़ के यह आंकड़ा 59 प्रतिशत तक कैसे पहुँच गया। ये सवाल आम जनता के मन में भी है।

दरअसल इस सब दृश्य में शहर कांग्रेस कि नाकामयाबी साफ़ नज़र आ रही है। शहर कांग्रेस पोलिंग बूथ पर अपनी टेबल नहीं लगा पाई और अपने कार्यकर्ताओं के बूथ पर बैठने की व्यवस्था तक नहीं की। जबकि चुनाव प्रचार करते समय बड़ी बड़ी घोषणा कि गई थी कि हम हर बूथ पर अपनी टेबल लगाएंगे और अपने लोगों को भी बिठाएँगे। कार्यकर्ता बैठने को तैयार भी थे लेकिन वो खुद इतने परेशान होते रहे कि अंदर कौन बैठेगा, टेबल कौन लगाएगा, क्या व्यवस्था है ? कार्यकर्ताओं के अलवा दुसरे लोगों ने भी कहा किसको बिठा रहे हो बूथ में, अगर आपके पास कोई नहीं हो तो हम बूथ में बैठ जाते हैं लेकिन शहर कांग्रेस ने किसी के लिए कोई व्यवस्था नहीं की, किसी प्रकार का खर्चा नहीं किया। साफ़ बात है कि इंदौर में पोलिंग बूथ पर टेबल लगाने और अपने लोगों को बिठाने में कांग्रेस फेल हुई क्यूंकि यह पूरी जिम्मेदारी शहर कांग्रेस और प्रभारी की थी।

लगता है शहर कांग्रेस ने पूरी तरह चुनावी मैदान छोड़ ही दिया है। इस बार कांग्रेस जो बाहर हुई है इसकी पूरी जिम्मेदारी शहर कांग्रेस और उसके प्रभारी की है। शहर कांग्रेस अध्यक्ष भी किसी की नजर में नहीं आए, जितने लोगों ने विधानसभा लड़ी थी वह भी मैदान से नदारद रहे, विधानसभा प्रभारी से लेकर प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी भी फील्ड में मौजूद नहीं थे। विधानसभा नंबर एक पर दीपू यादव ने बूथों पर टेबल और कार्यकर्ताओं के बैठने कोई व्यवस्था नहीं की, दो नंबर से चिंटू भी लापता, 3 नंबर में भी यही हाल, चार नंबर में प्रभारी के अते पते ही नहीं और पांच नंबर के भी यही हालात थे।

इस बीच आंकड़ों को देखकर आम जनता में चर्चा का विषय है कि दिनभर बूथों पर भीड़ रहती है तब जाकर कहीं अच्छी वोटिंग होती है, अब जनता के मन में शंका है कि बूथों पर भीड़ नहीं थी तो इतना प्रतिशत मतदान कैसे हो गया ? यदि पिछले चुनाव का ज़िक्र करें तो इंदौर में सड़कों पर और बूथों पर शाम तक पर बहुत भीड़ बनी रही तब मतदान 69 प्रतिशत था जबकि इस चुनाव में इतनी भीड़ थी ही नहीं और न ही लोगों में चुनाव को लेकर कोई उत्साह था। यहाँ तक कि युवा भी इस चुनाव से दूर ही दिखे उनमे भी वोटिंग को लेकर कोई रुझान नज़र नहीं आया।

नोटा पर कांग्रेस से ज्यादा जनता सक्रिय- इस बार चुनाव में पहली बार जनता में नोटा का माहौल देखने को मिला है। नोटा का बटन दबाने के लिए शहर कांग्रेस से ज्यादा सक्रिय आम जनता रही। जनता में शंका इसलिए भी है कि जब शहर कांग्रेस बूथों पर कार्यकर्ता तक नहीं बिठा पाई तो काउंटिंग वाले दिन जब मतगणना होगी उसमें क्या पारदर्शिता रहेगी ? यदि काउंटिंग वाले दिन भी यही स्थिति रही और विपक्ष के नेता मजबूती से नहीं बैठे तो परिणाम कुछ भी हो सकता है जिसकी पूरी ज़िम्मेदार शहर कांग्रेस की होगी।

हालाँकि इस बार इंदौर में चुनावी माहौल वैसे ही फीका था क्यूंकि कांग्रेस के घोषित प्रत्याशी अक्षय कांति बम ने पार्टी को तगड़ा झटका देते हुए नामांकन वापसी की आखिरी तारीख 29 अप्रैल को अपना पर्चा वापस ले लिया और वह इसके तुरंत बाद भाजपा में शामिल हो गए थे. नतीजतन इस सीट के 72 साल के इतिहास में कांग्रेस पहली बार चुनावी दौड़ में नहीं रही।

इंदौर को भीषण गर्मी से मिली राहत : आंधी ओले के साथ जमकर बरसा पानी, टेंट तंबू कुर्सी टेबल उड़े

कैलाश विजयवर्गीय ने की मतदान की अपील

इंदौर। इंदौर में मतदान के दिन शाम को तेज बारिश के साथ ओले गिरे। दिनभर भीषण गर्मी रही और उमस के बाद शाम को हुई तेज बारिश ने मौसम में ठंडक घोल दी और लोगों को राहत दी। हालांकि इससे मतदान प्रभावित हुआ। मौसम विभाग द्वारा इंदौर में आरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

दोपहर को सवा चार बजे के करीब आसमान पर अचानक छाए बादल। कोई कुछ समझ पाता इससे पहले तेज हवाएं चलने लगी और जमकर अंधी आई जिसमें मतदान के लिए सड़क पर टेंट तंबू और कुर्सी टेबल उड़ने लगे। देखते ही देखते चने के बराबर ओलों के साथ जमकर बरसात होने लगी। शाम पांज बजे बायपास, अन्नपूर्णा सहित कई इलाकों में तेज बारिश हुई। लगभग पौन घंटे हुई झमाझम बरसात से जहां लोगों को तपिश से राहत मिली वहीं बारिश बंद होते ही मतदान केंद्रों पर लोगों की भीड़ जुटना कम हो गई। लोग घरों में ही कैद हो गए। उम्मीद की जा रही थी कि शाम को ठंडक होने से मतदान तेज होगा लेकिन बारिश की वजह से मतदान और भी कम हो गया। हालांकि इंदौर में मतदान इस बार कम ही रहा। शाम को 5 बजे तक 52 फीसदी मतदान हो चला था। पिछली बार इंदौर में 69त्न मतदान हुआ था और इस बार शाम पांच बजे तक दस घंटे में 56.53त्न मतदान हुआ था।

मंत्री विजयवर्गीय ने वोट डालने की अपील की

शाम को पांच बजे बारिश शुरू होने के बाद मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने सोशल मीडिया पर वीडियो डालकर शहरवासियों से वोट डालने की अपील की। उन्होंने कहा कि बारिश और ओले हमें रोक नहीं सकते हमें राष्ट्र के लिए मतदान करना ही होगा। हम घरों में नहीं रह सकते।

अगले दो दिन बादल छाने के साथ बारिश के आसार

भोपाल स्थित मौसम केंद्र के विज्ञानियों के मुताबिक, वर्तमान में उत्तरी पाकिस्तान पर पश्चिमी विक्षोभ बना हुआ है। वहीं पश्चिमी उत्तर प्रदेश व मध्य राजस्थान में अलग-अलग दो चक्रवाती हवा के घेरे बने हुए हैं। एक द्रोणिका पूर्वी मप्र से केरल, कम्मोरिन एरिया तक बनी हुई है। इसी हिस्से में अलग-अलग दिशाओं से आ रही हवा का मिलन भी हो रहा है। इन सिस्टम के कारण अरब सागर व बंगाल की खाड़ी से हवा आ रही है। इससे इंदौर में अगले दो दिन बादल छाने के साथ बारिश के आसार जताए गए।

घूरने की बात पर चाकू मारा तीन पर केस

डॉगी की बात को लेकर छात्रा के घर पर पथराव

इंदौर (नप्र)। इंदौर के गांधी नगर में एक ऑटो ड्राइवर पर तीन लोगों ने चाकू से हमला कर दिया। बताया जाता है आरोपी घूरने की बात पर ऑटो ड्राइवर से विवाद किया था। गांधी नगर पुलिस के मुताबिक शिकायतकर्ता सुमित माली ने बताया कि वह पटेल नगर में रहता है। यहां से रिक्शा से अपनी मौसी के घर पंचायत इलाके में जा रहा था। रास्ते में संजय जाधव, अजय राठौर और यश मिले। इस दौरान संजय ने उससे कहा कि घूरकर क्यों देख रहे हो। इस बात पर सुमित की आरोपियों से बहस हो गई। इसके बाद मारपीट करते हुए संजय ने चाकू निकालकर पैर में मार दिया। आरोपी जान से मारने की धमकी देकर मौके से भाग गए।

डॉगी के कारण घर पर फेंके पत्थर

मल्हारगंज इलाके में डॉगी के कारण एक युवती के घर पर तीन से चार लोगों ने पत्थर फेंके। युवती ने मामले में शिकायत की है। पुलिस के मुताबिक शांतिनगर में रहने वाली आयशा खान ने बताया कि वह स्टूडेंट है। वह अपने घर में बहन और मां के साथ बैठी थी। तब उसके गेट पर कुछ लोगों ने पत्थर फेंके। बालकनी से देखा तो कुछ लोग धमकाते हुए कहने लगे कि तुम्हारे कुते ने कॉलोनी में लोगों को परेशान कर रखा है। इस दौरान आयशा ने वीडियो बनाया तो आरोपी उसे धमकाते हुए भाग गए। आयशा ने अज्ञात लोगों पर केस दर्ज कराया है।

इंदौर रिटायर्ड नेवी अफसर के घर पर चोरी

- **कस्टम डिपार्टमेंट के कर्मचारी के यहां भी ताले टूटे**

इंदौर (नप्र)। इंदौर के लसूड़िया में इंडियन नेवी के रिटायर्ड अफसर के यहां चोरी हो गई। इधर, संयोगितागंज में भी सीपीडब्लयूडी के क्वार्टर में कस्टम डिपार्टमेंट के कर्मचारी के यहां चोरी की वारदात हो गई। पुलिस ने दोनों मामलों में केस दर्ज किया है। लसूड़िया पुलिस के मुताबिक स्कीम नंबर 114 में रहने वाले मोहित सिंह पंवार ने बताया कि वह इंडियन नेवी से रिटायर्ड हैं। वे जियो कंपनी में मध्यप्रदेश सिक्योरिटी हेड के पद पर काम करते हैं। 11 मई की रात जबलपुर से परिवार के साथ इंदौर पहुंचे। यहां उनके घर के ताले टूटे थे। अंदर पूरा सामान अस्त-व्यस्त था। चोरों ने अंदर से सोने-चांदी के आभूषण और करीब 35 हजार रुपए नकदी चुरा लिए। कस्टम डिपार्टमेंट कर्मचारी के यहां भी चोरी संयोगितागंज पुलिस के मुताबिक कस्टम डिपार्टमेंट में पदस्थ बलराम डारिया ने बताया कि वह अपने जीजा जगदीश के यहां देवास नाका पत्नी और बच्चों को लेकर खाना खाने गया था। रात ढाई बजे जब वह लौटा तो घर का ताला टूटा देखा। अंदर से चोरों ने सोने के दो मंगलसूत्र, सोने की एक अंगूठी, दो पेंडल,आधा किलो के लगभग चांदी के जेवर और करीब 35 हजार के अधिक नकद चोरी हो गए।

सीबीएसई ने 12वीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम जारी किया जिसमें इंदौर के सिका स्कूल के आयुष मेहता ने 95.6त्न स्कोर कर अपने स्कूल व परिवार का नाम रोशन किया है। परिवारजन व गुरुओं ने उनको बधाई दी एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

निगम फर्जी बिल घोटाला : 16 नई फर्मों की जानकारी भी मिली, अब तक 150 से अधिक फाइलें निकली फर्जी, अवैध नल कनेक्शनों के मामले में जीजा के खिलाफ एफआईआर करवाएगा निगम

राठौर ने ही ठेकेदारों, ऑडिट और लेखा शाखा के साथ सांठगांठ कर महाघोटाले को अंजाम दिया, अभी तक किसी बड़े अधिकारी का नाम भी नहीं कबूला, 15 मई तक रहेगा पुलिस रिमांड में

इंदौर। पुलिस की गिरफ्त में आया निगम के फर्जी बिल घोटाले का मास्टरमाइंड पूर्व कार्यपालन यंत्री अभय राठौर ने यह तो कबूल लिया कि ठेकेदारों के साथ मिलकर फर्जी फाइलें उसके द्वारा ही बनवाई गई, जिसमें ऑडिट शाखा के साथ-साथ लेखा शाखा के भी राजकुमार सालवी जैसे कुछ कर्मचारियों की मिलीभगत रही। 15 मई तक पुलिस को राठौर की रिमांड मिली है, जिसमें उसके द्वारा खरीदी गई जमीनों, सम्पत्तियों की जानकारी भी दी जा रही है। हालांकि अभी तक किसी बड़े अधिकारी का नाम उसने नहीं कबूला है। वहीं उसके बंगले से एक आईफोन भी पुलिस ने जब्त किया है। निगम का कहना है कि राठौर के जीजा राकेश चौहान के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज कराई जा रही है, जिसके घर पर कई अवैध नल कनेक्शन मिले हैं।

नगर निगम में जैसे ही यह फर्जी बिल घोटाला उजागर हुआ तो पांच फर्मों के खिलाफ एफआईआर तो दर्ज करवाई ही, वहीं ड्रैनेज विभाग की लगभग 182 फाइलें ढूंढी गई, जिनमें फर्जी भुगतान की आशंका थी। निगम ने अपनी जांच रिपोर्ट में हालांकि 20 फाइलों की ही जानकारी दी, जिसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई थी। वहीं अभी दो दिन पहले इस पूरे घोटाले के मास्टरमाइंड बताए जा रहे अभय राठौर को उत्तरप्रदेश से गिरफ्तार किया गया और अभी उससे लगातार पुलिसिया पूछताछ की जा रही है। कोर्ट ने 15 मई तक का रिमांड दिया है। पहले तो राठौर ने इस घोटाले का पूरा ठिकरा सुनील गुप्ता पर फोडने् का प्रयास किया, फिर उसके बाद जब ठेकेदारों से उसका आमना-सामना करवाया तो उसने कबूल किया कि फर्जी बिल घोटाले की फाइलें उसके इशारे पर ही बनी। चूंकि वह लम्बे समय तक ड्रैनेज विभाग में कार्यरत रहा, जिसके चलते सबसे अधिक फर्जी बिल फाइलें उसी विभाग की बनाई गई। दूसरी तरफ सुनील गुप्ता का कहना है कि मेरा राठौर के साथ किसी तरह का कोई लेना-देना ही नहीं है। चूंकि उसको बचना है इसलिए वह जबरन नाम ले रहा है।

आज तक किसी भी विभागीय जांच में उनकी भूमिका संदिग्ध नहीं पाई गई है। दूसरी तरफ सूत्रों का कहना है कि 16 और नई फर्मों की जानकारी सामने आई है। नगर निगम का लेखा विभाग इन फाइलों की जानकारी निकलवा रहा है, ताकि पता लगे कि इनमें कितनी फाइलें बोगस है और कितना भुगतान किया गया। वैसे भी निगम का यह फर्जी बिल घोटाला 125 करोड़ का आंकड़ा पार कर चुका है। दूसरी तरफ नगर निगम ने अभय राठौर के घर से 4 इंच का अवैध नल कनेक्शन तो पकड़ा ही, वहीं उसके रिश्तेदारों, जिसमें जीजा राकेश चौहान भी शामिल है, उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। वहीं लाखों रुपए की वसूली भी इन अवैध नल कनेक्शनों के मामलों में निगम करेगा। अभी तक 182 ड्रैनेज से जुड़ी फाइलों में से 150 से अधिक फाइलें फर्जी पाई गई हैं। वहीं निगम के ही लेखा शाखा में पदस्थ राजकुमार सालवी से संबंधित दो फाइलें सामने आई, तो एक और नई फर्म आरएस इन्फ्रास्ट्रक्चर का भी खुलासा हुआ। पुलिस की गिरफ्त में अभय राठौर के अलावा मुख्य ठेकेदार राहुल वडेरा और मोहम्मद जाकीर व अन्य भी हैं। उनसे भी लगातार पूछताछ कर रही है। वैसे तो राठौर ने अपने साथ-साथ 50 से अधिक और लोगों के नाम बताए हैं, जो इस पूरे महाघोटाले में लिप्त रहे। हालांकि पुलिस का कहना है कि इनमें ठेकेदार फर्मों के अलावा ऑडिट, लेखा शाखा के ही कर्मचारी ज्यादातर शामिल मिले हैं। आज इस मामले में राठौर सहित अन्य आरोपियों से आगे की पूछताछ की जाएगी।

मालवा निमाड़ की आठ में से झाबुआ, खरगोन और धार तीन सीटों पर भाजपा और कांग्रेस के बीच मुकाबला रोचक, बाकी पांच पर बीजेपी मजबूत

● एंटीइंकमबैंसी फेक्टर से कांग्रेस को उम्मीद

इंदौर। भाजपा का गढ़ कहे जाने वाले मालवा निमाड़ की आठ सीटों में से तीन सीटों पर भाजपा और कांग्रेस के बीच मुकाबला रोचक है। कांग्रेस उम्मीदवार के मैदान छोड़ने के बाद इंदौर में भाजपा लीड बढ़ाने पर फोकस कर रही है। देवास, मंदसौर, खंडवा और उज्जैन सीट पर भाजपा को कोई चुनौती नजर नहीं आ रही है। कांग्रेस ने चुनाव में आदिवासी बाहुल्य लोकसभा सीट झाबुआ, खरगोन और धार पर ज्यादा फोकस किया है। इन सीटों पर ही कांग्रेस को बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। इन सीटों पर ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सभाएं की।

एंटीइंकमबैंसी फेक्टर से कांग्रेस को उम्मीद

धार-खरगोन सीट पर दो मर्तबा से भाजपा का कब्जा है,जबकि झाबुआ लोकसभा सीट पर पिछला लोकसभा चुनाव भाजपा उम्मीदवार गुमान सिंह डामोर जीते थे। भाजपा ने धार और झाबुआ सीट पर सांसदों का टिकट काट दिया था। कांग्रेस को लग रहा है कि लगातार भाजपा की जीत के कारण भाजपा यहां एंटीइंकमबैंसी फेक्टर का सामना कर रही है, जो कांग्रेस के लिए फायदेमंद है,जबकि भाजपा को तीनों सीटों पर परंपरागत वोटबैंक और मोदी फेक्टर पर भरोसा है।

झाबुआ में तीन मंत्रियों की प्रतिष्ठा दांव पर

क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ी झाबुआ लोकसभा सीट पर कांग्रेस के कद्दावर नेता कांतिलाल भूरिया और वन मंत्री नागर सिंह चौहान की पत्नी अनिता चौहान आमने सामने है। इस सीट पर तीन मंत्री नागर सिंह चौहान, निर्मला भूरिया और चैतन्य कश्यप की प्रतिष्ठा दांव पर है। झाबुआ और आलीराजपुर से कांग्रेस को मदद की उम्मीद है तो रतलाम शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के परंपरागत वोटबैंक पर भाजपा को भरोसा है। आठों विधानसभा सीटों में सबसे ज्यादा चर्चा झाबुआ लोकसभा सीट की ही हो रही है।

ज्वेलरी शॉप से झुमके चुराने वाले सीसीटीवी में कैद, तलाश जारी

इन्दौर। तुकोगंज क्षेत्र में एक ज्वेलर्स की दुकान से झुमके चुराने वाले बंटी-बबली वहां लगे कैमरे में कैद हो गए। पुलिस फुटेज से दोनों की तलाश कर रही है। शहर में कुछ समय से लगातार ज्वेलर्स की दुकान पर ग्राहक बनाकर आए लोग सेल्समैन को बातों में उलझाकर जेवर लेकर चंपत हो जाते हैं। पिछले दिनों सबसे अधिक मामले सराफा, तुकोगंज, परदेशीपुरा क्षेत्र में देखने में आए हैं। दो दिन पहले तुकोगंज थाना क्षेत्र में रेसकोर्स रोड स्थित पंजाब सराफ ज्वेलर्स पर एक दंपति सोने के झुमके खरीदने पहुंचा, जहां महिला सेल्समैन को बातों में उलझाकर एक 9 ग्राम का सोने का झुमका चुरा ले गया। उनके जाने के बाद स्टॉक की जांच करने पर चोरी का पता चला। इसके बाद दुकान के तिलक यादव निवासी सर्वसंपन्न नगर ने तुकोगंज थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस ने केस दर्ज कर दुकान में लगे सीसीटीवी के फुटेज खंगाले तो बंटी-बबली वारदात करते हुए कैद हुए। पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है।

कांग्रेस नेता के मकान पर पथराव

इंदौर। कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष विनोद यादव के मकान पर कल कुछ लोगों ने पथराव कर दिया। वे भाजपा के कार्यकर्ता बताए जा रहे हैं। विनोद का दिन में नंदा नगर बूथ पर विवाद हुआ था। शाम को उनके घर पर 15-20 लोग आए और उन्होंने पथराव कर दिया। बाहर खड़ी कार के शीशे फोड़ दिए। दरवाजे व खिड़की पर भी पथराव हुआ। यादव ने कहा कि भाजपा के गुंडों ने घर आकर मारपीट की।

अनहेल्दी कॉम्पिटिशन से बचने के लिए सीबीएसई ने टॉपर्स की लिस्ट जारी नहीं की

इंदौर (नप्र)। सीबीएसई ने 12वीं बोर्ड का रिजल्ट जारी कर दिया है। स्टूडेंट्स ने CBSE की अधिकारिक वेबसाइट cbse.gov.in पर अपना परिणाम देखा। 12वीं बोर्ड के रिजल्ट में इस बार भी लड़कियों ने बाजी मारी है। इंदौर की दिशा शर्मा ने एग्जाम में 95 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। इस बार रिजल्ट 87.98 पर्सेंट रहा। बोर्ड के अनुसार, इस साल लड़कियों का रिजल्ट लड़कों के मुकाबले 6.40 पर्सेंट बेहतर रहा है। पिछले साल 2023 में सीबीएसई 12वीं का रिजल्ट 87.33 पर्सेंट रहा था। लड़कियां 90.68 फीसदी और लड़के 84.67 फीसदी पास हुए थे। 12वीं के अलावा 10वीं का रिजल्ट भी सीबीएसई ने घोषित कर दिया है। सीबीएसई ने अनहेल्दी कॉम्पिटिशन से बचने के लिए इस साल 10वीं और 12वीं दोनों कक्षा की मेरिट लिस्ट व टॉपरों की लिस्ट जारी नहीं की।

22 साल के लैब कर्मचारी की हार्ट अटैक से मौत

मोबाइल चलाते समय सीने में दर्द उठा था, कुछ देर पहले ही दोस्त के यहां शादी से लौटा था

इंदौर (नप्र)। इंदौर में 22 साल के युवक की हार्ट अटैक से मौत हो गई। रात में उसके सीने में अचानक दर्द हुआ। पिता से कहा कि तेल से मालिश कर दे। लेकिन जब हालत नहीं सुधरी तो उसने एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे। लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। मृतक इप्का लैबोरेटरी में काम करता था। बाणगंगा पुलिस के मुताबिक भारत सिंह (22) पुत्र लक्ष्मण सिंह निवासी न्यू दुर्गा नगर को रविवार रात 2 बजे एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने चेक अप के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पिता लक्ष्मण ने बताया कि रात में वह मोबाइल चला रहा था। उसके सीने में अचानक दर्द हुआ। उसने पिताजी से कहा कि तेल से मालिश कर दो। लेकिन इसके

बाद भी उसकी हालत में सुधार नहीं हुआ। तब वे एमवाय अस्पताल लेकर आए। परिवार के लोगों ने बताया कि वह दोस्त के यहां शादी में गया था। 12 बजे करीब वापस आया। इसके बाद अपने चचेरे भाई जितेन्द्र के पास लेटकर मोबाइल चला रहा था। तभी उसकी अचानक तबीयत बिगड़ गई।

इकलौता बेटा, अगले साल थी शादी

पेशे से स्कूल बस ड्राइवर पिता लक्ष्मण ने बताया कि भारत उनका इकलौता बेटा था। उनकी एक बेटी है। परिवार मूल रूप से राजस्थान का रहने वाला है। यहां बेटा-बेटी दोनों की शादी पक्की कर दी थी। अगले साल दोनों की शादी थी।

कांच कारीगर को भी हुई घबराहट, मौत

इंदौर के बाणगंगा के महेश यादव नगर में रहने वाले महेन्द्र (45) पुत्र चंद्रपाल सिंह गौतम निवासी महेश यादव नगर की भी संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई।

संपादकीय

पानी की परवाह करने वाले...

गर्मी का यह मौसम हर साल हमें निष्ठापूर्वक पानी की याद दिलाता है, लेकिन हम मानसून आते-आते ठीक उसी निष्ठा से उसे भूल जाते हैं। हर साल देश के सुदूर इलाकों से पानी के संरक्षण, संवर्धन और किफायती इस्तेमाल को लेकर तरह-तरह की खबरें आती हैं, उन्हें देख-सुनकर हम थोड़ी देर के लिए गद्गद भी हो लेते हैं, लेकिन उनसे सीखकर कभी पानी का मान नहीं रख पाते।

देश के अनेक क्षेत्रों में जल-संरक्षण के अनेक उपाय स्थानीय के अनुकूल वहां के समुदायों ने विकसित किए हैं। राजस्थान के रेगिस्तानी क्षेत्रों में वर्षा के पानी को संग्रहण करने के अनेक तौर-तरीके अपनाए जा रहे हैं। वहां से थोड़ा आगे जाएं, तो गुजरात के कच्छ क्षेत्र में भी ऐसे परंपरागत सूझबूझ के अनेक तरीकों को देखा जा सकता है। व्यक्तिगत या गांव-समुदाय की भूमि में विशेष रूप से जलग्रहण क्षेत्र तैयार कर उसके पानी को एक 'कुण्डी' नामक कुएं में एकत्र करने के कार्य को राजस्थान के अनेक क्षेत्रों में देखा जा सकता है। ध्यान इस बात पर दिया जाता है कि अधिकतम पानी कुएं में पहुंच सके। जलग्रहण क्षेत्र की लिपाई-पुताई व उसकी ढलान बनाने में इसका विशेष ध्यान रखा जाता है। तालाब के सीपेज का पानी बेकार न जाए, अतः इस पानी को एकत्र करने के लिए 'कुंई' नामक विधि का प्रचलन है।

राजस्थान के किले तो वैसे भी विख्यात हैं, पर इनका जल-प्रबंध विशेष रूप से देखने योग्य है। चितौड़ के किले में हाथीकुंड के सीपेज से गौमुख का झरना बनता है और इस झरने से चितौड़ के किले का मुख्य जलाशय बनता है। किलों के अलावा सामान्य आवासों, आंगन या बरामदों में कुंड बनाकर, छतों पर उचित व्यवस्था कर वर्षा के जलसंग्रहण को कई स्थानों पर देखा जा सकता है। तरह-तरह के छोटे-बड़े तालाबों व बावडियों की दृष्टि से यह राज्य समृद्ध है। राजस्थान के कुछ भागों में बहुत कम वर्षा होती है, पर वहां भी परंपरागत उपायों से पर्याप्त पेयजल की व्यवस्था कर लोग काफी हद तक आत्मनिर्भर बने हुए थे।

उत्तर-पूर्व के राज्यों में परंपरागत सिंचाई के अनेक श्रेष्ठ उदाहरण मिल सकते हैं। बांसों की पाईपलाईन के माध्यम से काफी दूर के पौधों तक ठीक उतना पानी पहुंचाना, जितना पौधों के लिए जरूरी है, मेघालय की विशेष उपलब्धि है। वर्ष 1956 में आंध्र प्रदेश में सिंचाई के लिए उपयोगी 58,518 तालाब थे, जिनसे लगभग 10 लाख हैक्टेयर की सिंचाई हो रही थी, यानी कुल सिंचित क्षेत्र के 40 प्रतिशत की। इसमें कुछ कमी अवश्य आई है, पर इसका महत्व बना हुआ है। इनमें से अनेक तालाब एक-दूसरे से जुड़े हैं व उनमें पानी का पूरा-पूरा उपयोग होता है, वह व्यर्थ नहीं बहता। तमिलनाडु के कुल सिंचित क्षेत्र में से लगभग एक-तिहाई की सिंचाई आज भी 'एरी' नामक प्राचीन तालाबों से हो रही है। बाढ़ व सूखे का दोहरा संकट देश की बहुत बड़ी समस्या है। परंपरागत जल-संग्रहण से सूखे के संकट से तो राहत मिलेगी ही, साथ ही बाढ़ की समस्या को भी कम करने में सहायता मिलेगी। जब बहुत से जल को नदी की ओर वेगपूर्वक बढने देने के स्थान पर खेती व अन्य उपयोगों के लिए तरह-तरह से मोड़ा व संजोया जाता है, तो इससे बाढ़ की आशंका कम होती है।

बिहार के गया जिले में जब तक 'आहार' व 'पाईन' व्यवस्था सशक्त रहीं, इन्होंने बाढ़ व सूखे दोनों को रोकने में सहायता दी। राजस्थान में भयानक सूखे के दिनों में देखा गया कि जहां आधुनिक पेयजल स्रोतों के आने के बाद भी परंपरागत संग्रहण की उपेक्षा नहीं की गई, वहां लोगों की पेयजल के मामले में आत्मनिर्भरता बनी हुई थी। परंपरागत जल-संग्रहण की प्रणालियां एक सामूहिक प्रयास हैं। बुंदेलखंड व नर्मदा क्षेत्र की 'हवेली पद्धति' को लें या बिहार की 'आहार', 'पाईन' पद्धति को, ये किसानों के सामूहिक प्रयास या तालमेल के बिना संभव नहीं हैं। तालाब बनाने में, उसके रख-रखाव में, उसकी सफाई में पूरे गांव का योगदान होता है। यहां तक कि घुमंतू लोगों ने भी अपने सामूहिक प्रयासों से जल-संरक्षण व संग्रहण में उल्लेखनीय योगदान दिया है। कच्छ की 'वीर दी पद्धति' 'मालधारी समुदाय' की देन है, जबकि उदयपुर में आज तक जल का सबसे महत्वपूर्ण स्रोत बनी हुई 'पिचौला झील' बंजारों ने बनाई थी।

परंपरागत स्रोत व तकनीक को महत्व देने का यह अर्थ नहीं है कि विज्ञान की नई उपलब्धियों के आधार पर उसमें बदलाव या सुधार नहीं होने चाहिएं, लेकिन ध्यान देने योग्य बात है कि परंपरागत तकनीक और स्थानीय स्थिति की मूल समझ के विरुद्ध कोई बदलाव नहीं करना चाहिए। भूजल स्तर नीचे न गिरे, इसका निरंतर ध्यान रखना होगा। जलस्रोत को और उनके जलग्रहण क्षेत्र को साफ रखने की पहले बहुत अच्छी परंपरा थी। इस अनुशासन का प्रयास गांव के परिवारों में और स्कूल की शिक्षा के माध्यम से भी होना चाहिए। इस तरह के सांस्कृतिक पर्व आयोजित हो सकते हैं, जिनसे तालाबों आदि को साफ करने के श्रमदान को जोड़ा जाए।

सोशल मीडिया से...

एक समय था, जब बंगाल में एक से बढ़कर एक वैज्ञानिक खोज हुआ करती थीं, आज टीएमसी के राज में जगह-जगह बम बनाने की होम इंडस्ट्री चल रही है। एक समय था, जब बंगाल घुसपैठियों के खिलाफ क्रांति किया करता था, लेकिन आज टीएमसी के संरक्षण में यहां घुसपैठी फल-फूल रहे हैं।

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

वोटिंग के समय बुर्के के इस्तेमाल पर कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन, बुर्के में चेहरे की पहचान नहीं होती है। अगर पोलिंग एजेंट चेहरा देखने की मांग करता है तो चेहरा दिखाना चाहिए। इसे धार्मिक कट्टरता से नहीं जोड़ना चाहिए।

गिरीराज सिंह, केंद्रीय मंत्री

अगर पीएम मोदी रिटायर नहीं होंगे तो वे कह दें कि 75 साल पर रिटायरमेंट का नियम उन पर लागू नहीं होगा। ये नियम सिर्फ आडवाणी के लिए था। वे वन नेशन-वन लीडर आइडिया के तहत विपक्ष के सभी नेताओं को जेल भेज रहे हैं और अपने नेताओं की राजनीति खत्म कर रहे हैं।

अरविंद केजरीवाल, सीएम दिल्ली

प्रधानमंत्री अपने भाषणों में बार-बार पाकिस्तान का जिक्र करते हैं जबकि विपक्ष अपने देश के बारे में बोलता है। भाजपा अपनी पर चुनावी रैली में भगवान राम को लाती है। उनके पास विकास को लेकर बोलने के लिए कुछ भी नहीं है।

उद्धव ठाकरे, पूर्व सीएम महाराष्ट्र

आज का कार्टून

कांग्रेस की कमजोरी का नुकसान भुगत रहे मोदी

संजय तिवारी

कांग्रेस का दुर्भाग्य यह है कि इंदिरा, संजय और राजीव गांधी की मौतों के बाद से ही केन्द्रीय स्तर पर उसके पास करिश्माई नेता का अभाव रहा है। राहुल गांधी या प्रियंका गांधी में कोई ऐसा करिश्मा नहीं है कि वह भारत के लोगों को पसंद आने लगें। दोनों ही पचास साल की उम्र में उस राजपरिवार के बच्चे की तरह व्यवहार करते हैं जो अपने राजवंश के बारे में तो बहुत कुछ जानता है लेकिन उस राज्य के बारे में कुछ खास नहीं जानता जहां उनका शासन रहा है। इसके बावजूद अगर इस चुनाव में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के बयान चर्चा में आ रहे हैं, तो इसका मतलब है कि खोटे सिक्के भी बाजार में चलने के लिए इसलिए तैयार हैं कि खरे सिक्के की खनक खाना खराब कर रही है। यूपी, बिहार और गुजरात को छोड़ दें तो उत्तर भारत के लगभग सभी राज्यों में कांग्रेस 2019 से बेहतर प्रदर्शन करती दिखाई दे रही है। कर्नाटक, तेलंगाना, तमिलनाडु और केरल में वो पहले से ही मजबूत स्थिति में हैं।

कांग्रेस मुक्त भारत का नारा दस साल पहले नरेन्द्र मोदी ने ही दिया था। लेकिन आज दस साल बाद संभवतः नरेन्द्र मोदी को ही कांग्रेस की कमजोरी खल रही है, इसलिए वह खुद इस आम चुनाव को भाजपा बनाम कांग्रेस बनाने के लिए पूरी मेहनत कर रहे हैं। लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए कहा जाता है कि मजबूत विपक्ष सशक्त लोकतंत्र के लिए जरूरी होता है।

यह विपक्ष पार्टी के भीतर और बाहर दोनों जगह जितना मजबूत होता है, पार्टी का लीडर उतनी ही कम गलतियां करता है और लोकमानस में गहरे बैठ पाता है। लेकिन यह मोदी का सौभाग्य ही कहा जाएगा कि दो बार के कार्यकाल में उनके नेतृत्व में भाजपा को प्रचंड बहुमत मिला जिसके कारण विपक्ष तो साफ हुआ ही, पार्टी के भीतर भी उनके आलोचकों का अकाल हो गया। इस परिस्थिति ने संभवतः उन्हें इस मनःस्थिति में पहुंचा दिया कि वो जो करते हैं बिल्कुल सही करते हैं और उनके हर किये को जनता का समर्थन हासिल है। एक बार तो संसद में खड़े होकर उन्होंने कहा भी था कि मोदी को और कुछ समझ आता हो या न आता हो लेकिन राजनीति तो समझ में आती है। जब वो ऐसा बोल रहे थे तो उनका इशारा उसी कांग्रेस की ओर था जिससे भारत को मुक्त कराने के लिए 2014 में उन्होंने गांधीनगर से दिल्ली कूच किया था।

लेकिन आज दस साल बाद जिस तरह से खुद नरेन्द्र मोदी पूरे चुनाव को भाजपा बनाम कांग्रेस बनाने में लगे हुए हैं उससे इतना तो साफ हो जाता है कि भारत प्रचंड बहुमत वाली किसी इकलौती राष्ट्रीय पार्टी का लोकतंत्र नहीं हो सकता। केन्द्र में सदैव दो सशक्त दावेदार ही इस देश के लोगों का समुचित प्रतिनिधित्व कर पायेंगे और लोकतंत्र को मजबूती दे पायेंगे। मोदी ने ही यह चूक की हो ऐसा नहीं है। सत्ता और सफलता का ऐसा प्रभुत्व होता है कि जो इसे पा लेता है वह अपने अलावा बाकी सबके अस्तित्व को खत्म करने का ख्वाब देखने लगता है। अस्सी नब्बे के दशक में जब भाजपा कांग्रेस का विकल्प बनकर उभर रही थी तब कांग्रेस ने उसे गहरे गड्ढे में दबा देने के हर संभव उपाय किये थे। इसी संसद में जहां आज कांग्रेस इतनी सीटें भी नहीं जीत पा रही है कि उसे नेता विपक्ष का पद मिल जाए, वहीं बैठकर उसने चुनी हुई कई बीजेपी सरकारों को उखाड़ फेंका था। उस समय कांग्रेस अहंकार के शिखर पर थी। उसके पास सत्ता थी। उसे कभी लगता ही नहीं था कि चालीस साल से केन्द्र की सरकार चलानेवाली कांग्रेस की कभी ऐसी दुर्दशा भी हो जाएगी कि उसे पचास सीट के लिए भी लाले पड़ जाएंगे। आज उत्तर भारत में हालात यह हैं कि यूपी बिहार से कांग्रेस का लगभग नामो निशान मिट चुका है। बाकी बचे हिमाचल, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ में कांग्रेस जमीन पर जरूर बची हुई है लेकिन बची खुची कांग्रेस मोदी से लड़ने की बजाय आपस में लड़ने से फुर्सत नहीं पा रही है। गुजरात में तो हालात ऐसे हैं कि सिर्फ मार्जिन की लड़ाई चल रही है। लोग यह चर्चा कर रहे हैं कि इस बार कांग्रेस कितने बड़े अंतर से हारती है। इसी तरह पश्चिम बंगाल, उड़ीसा और पूर्वोत्तर से भी कांग्रेस का लगभग सफाया ही हो चुका है। अगर दो चार सीटें वो जीत भी जाते हैं तो इसे उनकी मेहनत की बजाय उनका भाग्य या दूसरे दलों के चुनावी गणित का गड़बड़ाना ही कहा जाएगा।

हां दक्षिण में जरूर कांग्रेस ने अपनी खोई जमीन वापस पायी है और आज भी बीजेपी के लिए दक्षिण द्वार अभेद्य बना हुआ है। अविभाजित आंध्र प्रदेश से राजशेखर रेड्डी ने कांग्रेस की जो वापसी करवाई तो आज तेलंगाना और कर्नाटक में वह सरकार में है। कांग्रेस कैडर आधारित पार्टी नहीं है। वह लीडर आधारित पार्टी है। इसलिए राजशेखर रेड्डी हों, डीके शिवकुमार हों या फिर रेवंत रेड्डी। जैसे ही उनके खेमे में कोई करिश्माई नेता उभरता है कांग्रेस सत्ता में वापसी कर लेती है।

फिर भी कांग्रेस का दुर्भाग्य यह है कि इंदिरा, संजय और राजीव गांधी की मौतों के बाद से ही केन्द्रीय स्तर पर उसके पास करिश्माई नेता का अभाव रहा है। राहुल गांधी या प्रियंका गांधी में कोई ऐसा करिश्मा नहीं है कि वह भारत के लोगों को पसंद आने लगें। दोनों ही पचास साल की उम्र में उस राजपरिवार के बच्चे की तरह व्यवहार करते हैं जो अपने राजवंश के बारे में तो बहुत कुछ जानता है लेकिन उस राज्य के बारे में कुछ खास नहीं जानता जहां उनका शासन रहा है।

इसके बावजूद अगर इस चुनाव में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के बयान चर्चा में आ रहे हैं, तो इसका मतलब है कि खोटे सिक्के भी बाजार में चलने के लिए इसलिए तैयार हैं कि खरे सिक्के की खनक खाना खराब कर रही है। यूपी, बिहार और गुजरात को छोड़ दें तो उत्तर भारत के लगभग सभी राज्यों में कांग्रेस 2019 से बेहतर प्रदर्शन करती दिखाई दे रही है। कर्नाटक, तेलंगाना, तमिलनाडु और केरल में वो पहले से ही मजबूत स्थिति में हैं।

इसलिए तमाम आंतरिक कमियों और कमजोरियों के बावजूद अगर कांग्रेस इस बार नेता विपक्ष का पद पाने लायक सीटें जीत जाती है यह न केवल स्वस्थ लोकतंत्र के लिए बल्कि खुद नरेन्द्र मोदी और भाजपा के लिए भी एक शुभ समाचार ही कहा जाएगा। संभवतः यही कारण है कि खुद नरेन्द्र मोदी अपने 10 साल की सरकार की उपलब्धियां गिनाने के बजाय कांग्रेस की कमियां गिना रहे हैं जो दस साल से नेता विपक्ष का पद पाने लायक भी नहीं थी।

सैम पित्रोदा के एक पिद्दी से बयान को लेकर जिस तरह पीएम मोदी सहित पूरी भाजपा ने मुद्दा बनाने की कोशिश की, उससे यह संकेत मिलता है कि मोदी या भाजपा को अपनी जीत के लिए कांग्रेस का मौजूद होना कितना जरूरी लग रहा है। जबकि सैम पित्रोदा न तो देश में कांग्रेस के नेता हैं और न ही वो यहां की राजनीति करते हैं। वो अमेरिका में रहते हैं और वहीं ओवरसीज कांग्रेस का काम देखते हैं। लेकिन उनके बयान को आधे अधूरे तरीके से मुद्दा बनाने की कोशिश की गई ताकि भाजपा अपनी उपलब्धियों के बजाय कांग्रेस की कमजोरियों को उभारकर जीत का रास्ता साफ कर सके।

यह भी कम आश्चर्य की बात नहीं है कि लोकसभा में 303 सीटों पर बैठी पार्टी 52 सीट जीतने वाली पार्टी से भयभीत नजर आ रही है। उसके सत्ता में लौटने का डर दिखा रही है। असल में यह डर कांग्रेस का नहीं बल्कि खुद भाजपा का है जिसके नेताओं को लगने लगा है कि अगर कांग्रेस ही खत्म हो गयी तो हम किसके कुशासन को दुश्मन ठरायेंगे? इंदौर में अति उत्साह में भाजपा वालों ने कांग्रेस प्रत्याशी को चुनावी मैदान से हटाकर अपनी पार्टी में तो मिला लिया लेकिन अब उन्हें नोटा का भय सता रहा है। क्योंकि अगर लोकतंत्र में विपक्ष कमजोर होगा तो नोटा सबसे बड़ा विपक्ष बनकर उभरेगा जो किसी भी सत्ताधारी दल के लिए शर्म से डूब मरनेवाली बात होगी।

फिलहाल कमजोर कांग्रेस का नुकसान इस बार बीजेपी को साफ नजर आ रहा है। तीन चरण का चुनाव हो चुका है और चुनावी रंगत अभी तक नहीं आ पायी है। केवल कांग्रेस ही नहीं बल्कि भाजपा के समर्थक भी चुनाव को लेकर उदासीन हो गये हैं। इसका कांग्रेस से अधिक नुकसान अगर किसी को होगा तो भाजपा को ही होगा।

'एकीकरण' बन सकता है कांग्रेस के पुनरुत्थान का मंत्र

राज कुमार सिंह

बेशक पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और झारखंड जैसे राज्यों में अभी भी क्षेत्रीय दलों या उनके नेतृत्व वाले गठबंधन की सरकारें हैं, उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों में क्षेत्रीय दल अभी भी बड़ी ताकत हैं, खुद पवार के गृह राज्य महाराष्ट्र में उनकी राकांपा के अलावा उद्धव ठाकरे की शिवसेना बड़ी ताकत है, फिर भी पवार आने वाले समय में क्षेत्रीय दलों की कांग्रेस से निकटता या उसमें विलय की संभावनाएं देख रहे हैं तो उसका एक कारण पिछले दिनों क्षेत्रीय दलों में लगातार टूट की घटनाएं भी हैं। क्षेत्रीय दल चला पाना आसान कभी नहीं रहा लेकिन इधर उन्हें बचाए रखना भी मुश्किल हो गया है। आखिर शरद पवार जैसे सत्ता के माहिर खिलाड़ी की राकांपा को उनके भतीजे अजित पवार ने ही दो बार तोड़ दिया। पहली बार सुबह का भूला बन कर अजित शाम को घर लौट आए, पर दूसरी बार पूरी तैयारी से गए। बाला साहेब ठाकरे के कट्टर मराठा और हिंदूवादी विचारों से बनी और संचालित शिवसेना में इतने बड़े विभाजन की कल्पना भी मुश्किल थी, पर जो हुआ, सबने देखा। ऐसे में भविष्य को लेकर क्षेत्रीय दलों में ड्क्षचता स्वाभाविक है, पर जैसा कि पवार की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया में महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेसी नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा है, भविष्य की संभावनाएं 4 जून को लोकसभा के चुनाव परिणामों पर निर्भर करेंगी। चव्हाण कहना चाहते हैं कि अगर विपक्षी दलों का गठबंधन 'इंडिया' केंद्र में सरकार बनाने में सफल हो गया तो क्षेत्रीय दलों की कांग्रेस से निकटता और उसमें विलय की संभावनाएं बढ़ जाएंगी। चव्हाण गलत नहीं हैं लेकिन 4 जून के परिणाम से इतर भी राष्ट्रीय राजनीति में नए सिरे से ध्रुवीकरण की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। हां, उस ध्रुवीकरण की दिशा और गति काफी हद तक कांग्रेस के रुख पर निर्भर करेगी। जैसा कि पवार की टिप्पणी पर अपनी प्रतिक्रिया में उद्धव ठाकरे ने भी स्पष्ट किया कि उनकी शिवसेना अलग विचारधारा वाला महाराष्ट्र का छोटा नहीं, बड़ा दल है। ऐसे में पवार के संकेत को दो हिस्सों में समझना होगा। पहला, वे दल, जिनकी अपनी अलग विचारधारा है और मजबूत क्षेत्रीय जनाधार भी। दूसरा, वे दल, जो महत्वाकांक्षाओं के टकराव के चलते कांग्रेस से ही निकल कर बने। खुद शरद पवार की राकांपा दूसरी श्रेणी में आती है। 8 दिसंबर, 1986 को औरंगाबाद में सम्मेलन कर राजीव गांधी की मौजूदगी में अपनी कांग्रेस (समाजवादी) का कांग्रेस में विलय करने वाले पवार मूलतः कांग्रेसी हैं। सोनिया गांधी के विदेशी मूल के प्रश्न पर उन्होंने पी.ए. संगमा और तारिक अनवर के साथ मिल कर 1999 में दूसरी बार कांग्रेस छोड़ी, पर उसके बाद भी केंद्र और राज्य में उसके साथ गठबंधन सरकारों में शामिल रहे। अब जबकि पवार उम्रदराज हो चुके हैं और भतीजे अजित भाजपाई गठबंधन राजग में शामिल हो कर उप मुख्यमंत्री बन चुके हैं, बेटी सुप्रिया सुले का राजनीतिक भविष्य सुरक्षित करने के लिए कांग्रेस में विलय एक बेहतर विकल्प हो सकता है। जिस तरह सोनिया गांधी को अध्यक्ष पद के चुनाव में चुनौती देने वाले जितेंद्र प्रसाद के बेटे जितिन को भी भाजपा में जाने से पहले कांग्रेस ने सब कुछ दिया, वह इस बात का प्रमाण है कि पार्टी अपने परिवारों का ख्याल तो रखती है। पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और आंध्र प्रदेश में सत्तारूढ़ वाई.एस.आर.सी.पी. को भी दूसरी श्रेणी में रखा जा सकता है। ममता ने कांग्रेस छोड़ कर अलग तृणमूल इसलिए बनाई क्योंकि तत्कालीन सत्तारूढ़ वाम मोर्चा के विरुद्ध उनके संघर्ष को आलाकमान के करीबी समझे जाने वाले पश्चिम बंगाल के कुछ कांग्रेसी ही कमजोर करते थे। जाहिर है, अलगाव का कारण महत्वाकांक्षाओं का टकराव था, न कि कोई वैचारिक विरोध। एक दशक से भी ज्यादा समय से बंगाल में तृणमूल ही सबसे बड़ा दल है, जबकि कांग्रेस और वाम मोर्चा अस्तित्व बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। ऐसे में अगर कांग्रेस जमीनी हकीकत स्वीकार करते हुए ममता की ससम्मान घर वापसी की कोशिश करे तो ज्यादा समस्या नहीं होनी चाहिए।

आपकी शिकायत/समस्याओं में
आपका साथी
दैनिक सद्भावना पाती

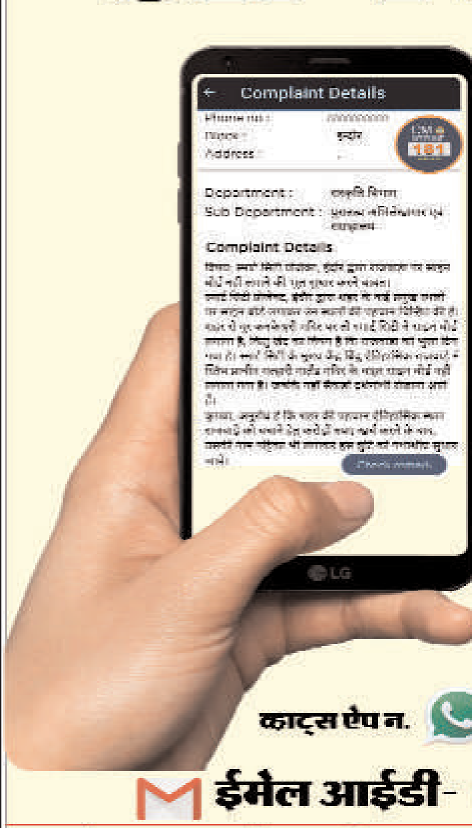

शिकायत / पत्र संपादक के नाम
आप किसी समस्या, शिकायत, मुद्दे, जानकारी, गड़बड़ी, भ्रष्टाचार, नियम विरुद्ध काम आदि की शिकायत संपादक के नाम व्हाट्सएप पर भेज सकते हैं।
सर्वप्रथम आप अपने मोबाइल में सीएम हेल्पलाइन 181 एप डाउनलोड करें
और उस पर शिकायत उपरांत हमें उसका स्क्रीन शॉट और फोटो भेजें।
हम उस शिकायत को दैनिक सद्भावना पाती में प्रकाशित करेंगे और आपकी समस्या/शिकायत को शीघ्र खत्म करने का प्रयास करेंगे।
केवल व्हाट्स एप करें, कॉल न करें।
व्हाट्स ऐप न. 9685611304
ईमेल आईडी- reporter.spnews@gmail.com
नोट :- जनहित की समस्याओं पर उचित ईनाम भी दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

अर्थशास्त्री पार्क बोले– भारत को 10 फीसदी की आर्थिक वृद्धि के लिए बाजार सुधारों पर ध्यान देने की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत को 10 फीसदी की वृद्धि दर हासिल करने के लिए भूमि और श्रम जैसे कारक बाजार सुधारों पर ध्यान देने की जरूरत है। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के मुख्य अर्थशास्त्री अल्बर्ट पार्क ने इस बात को लेकर चिंताएं हैं कि भारत में बेरोजगारी के औपचारिक क्षेत्र में भूमि और श्रम जैसे बुनियादी कारक बाजार का आकार अब भी छोटा है। कारक बाजार सुधारों में भूमि, श्रम, ऊर्जा व ऋण तक पहुंच आदि शामिल हैं, जो उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण हैं। पार्क ने कहा कि दोहरे अंक की वृद्धि दर हासिल करने के लिए भारत विभिन्न मापदंडों पर अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। लेकिन, 10 फीसदी से अधिक की वृद्धि हासिल करने के लिए बुनियादी ढांचा क्षेत्र व वैश्विक अग्रणी प्रौद्योगिकियों में भारी निवेश की जरूरत होगी। उन्होंने कहा, नियामकीय व कारोबारी सुगमता के साथशुल्क को आसान और कम कर भारत वैश्विक मूल्य शृंखला में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा सकता है। इसके अलावा, मानव पूंजी में अधिक निवेश करने की जरूरत है। एडीबी के मुख्य अर्थशास्त्री ने कहा कि भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़ा जैसे सघन विनिर्माण वाले क्षेत्रों में निर्यात बढ़ाने की जरूरत है, जो अब भी बहुत सीमित हैं।साथ ही, यह एशिया के अन्य अधिक गतिशील हिस्सों की तरह तेजी से नहीं बढ़ रहे हैं। हाल ही में एडीबी में चालू वित्त वर्ष यानी 2023-24 के लिएभारत के विकास दर अनुमान को 6.7 फीसदी से बढ़ाकर 7 फीसदी कर दिया है। साथ ही, 2025-26 में भारतीय अर्थव्यवस्था के 7.2 फीसदी की रफ्तार से बढ़ने की उम्मीद जताईहै।

अब ब्लिंकिट पर खरीद सकते हैं मोकोबारा बैग

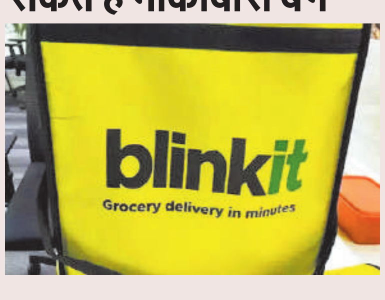

नई दिल्ली, एजेंसी। अब ब्लिंकिट पर आपको 10 मिनट में मोकोबारा बैग मिल जाएगा। मोकोबारा बैग इन दिनों काफी चर्चा में बने हुए हैं। लोगों को यह काफी पसंद आ रहे हैं। अब इन्हें ब्लिंकिट से भी खरीदा जा सकता है। ब्लिंकिट के सीईओ अलबिंदर ढींडसा ने ट्वीट करके इसकी जानकारी दी है। उन्होंने लिखा है कि कस्टमर अब 10 मिनट में ब्लिंकिट पर मोकोबोरा बैग खरीद सकते हैं। इसे कंपनी ने कई शहरों में लॉन्च किया है। इसके बाद इसका अन्य शहरों में विस्तार किया जाएगा। अभी कंपनी ने जिन शहरों में इसे लॉन्च किया है, उनमें लखनऊ, नोएडा, गाजियाबाद, दिल्ली, कोलकाता, गुरुग्राम, पुणे, कानपुर, फरीदाबाद, बेंगलुरु, हैदराबाद, जयपुर और मुंबई में चुनिंदा स्थान शामिल हैं। इन शहरों में रहने वाले लोग ब्लिंकिट पर इसे खरीद सकते हैं। वहीं कस्टमर को 10 मिनट में मोकोबारा बैग की डिलीवरी कर दी जाएगी। मोकोबोरा बैग्स को कंपनी ने ऑफिस, ट्रेवलिंग, कॉलेज आदि के लिए खासतौर पर डिजाइन किया है। इसमें लैपटॉप के अलावा, पानी की बोतल के लिए अलग स्पेस, छाता रखने के अलग स्पेस, अपने लुक के अनुसार कई कलर ऑप्शन उपलब्ध हैं। मोकोबारा बैग इन दिनों चर्चा में बने हुए हैं। कंपनी की ओर से इसका जमकर प्रचार भी किया जा रहा है। कंपनी के मुताबिक, इसे भारत के अलावा कई दूसरे देशों में भी पसंद किया जा रहा है। मोकोबारा एक मेड इन इंडिया ष्ठ2ष्ट स्टार्टअप है। अब कंपनी अपने प्रीमियम ट्रैवल बैग को किफायती बना रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, मोकोबारा की शुरुआत जनवरी साल 2020 में हुई थी। कंपनी का रेवेन्यू अभी करीब 200 करोड़ रुपये से ज्यादा हो चुका है। कंपनी की बिक्री में लगातार ग्रोथ देखने को मिल रही है।

850 सैलरी से 55,000 करोड़ का साम्राज्य, जिद्दी कारोबारी जिसने बदल डालीं भाग्य की रेखाएं !

नई दिल्ली, एजेंसी। एस्ट्रल पाइप्स किसी पहचान की मोहताज नहीं है। यह अलग-अलग तरह के पाइप और फिटिंग की मैन्यूफैक्चरिंग करने वाली दिग्गज कंपनी है। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि इस सफल कंपनी को खड़ा करने में किसका हाथ है आज हम आपको उन्हीं से मिलाते हैं। उनका नाम है संदीप इंजीनियर। वह एस्ट्रल पाइप्स के संस्थापक हैं। संदीप इंजीनियर देश के चुनिंदा उद्योगपतियों में से एक हैं। उन्होंने अपनी मेहनत और लगन के बूते करोड़ों का कारोबारी साम्राज्य खड़ा किया है। वह बिना किसी पारिवारिक पृष्ठभूमि के उद्योग जगत में सफलता हासिल करने वालों में शुमार हैं। एक ऐसा भी समय था जब उन्होंने 850 रुपये की मामूली नौकरी की।

केमिकल इंजीनियरिंग में डिग्री

संदीप इंजीनियर का जन्म 1961 में गुजरात के अहमदाबाद में हुआ था। उन्हें कारोबारी सफलता की राह में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। अपनी केमिकल इंजीनियरिंग की डिग्री पूरी करने के बाद उन्होंने कैडिला लैबोरेटरीज (अब जाइडस लाइफसाइंसेज) में एक प्रोजेक्ट इंजीनियर के रूप में काम करना शुरू किया। यहां उन्हें सिर्फ 850 रुपये महीने का मामूली वेतन मिलता था। संदीप ने कंपनी के साथ करीब दो साल तक काम किया।

नौकरी छोड़ने का लिया साहसिक फैसला

फिर नौकरी छोड़ने के बाद संदीप ने 1981 में अपना पहला व्यवसाय शुरू करने का साहसिक फैसला लिया। उन्होंने फ्लेवर्ड ईसबगोल का डिस्ट्रीब्यूटर बनने का विकल्प चुना। लेकिन, कारोबारी दुनिया में उनका यह पहला कदम असफल रहा। दुकानदार उधार माल चाहते थे। बिक्री न होने पर पेमेंट फंसाते थे। संदीप के लिए यह नुकसानदेह साबित हुआ। 5,000 रुपये के नुकसान के साथ उन्हें अपना व्यवसाय बंद करना पड़ा।

झटकों से निराश नहीं हुए

संदीप इंजीनियर इस शुरुआती झटके से निराश नहीं हुए और उन्होंने नए अवसरों की तलाश जारी रखने का फैसला किया। कैडिला हेल्थकेयर के चेयरमैन पंकज पटेल के मार्गदर्शन में उन्होंने श्री केमिकल्स नाम की कंपनी के जरिये ऐक्टिव फार्मास्यूटिकल इंग्रीडिएंट्स (एपीआई) के निर्माण में कदम रखा। दुर्भाग्य से इस व्यवसाय में उनके सामने क्वालिटी संबंधी समस्याएं सामने आईं। इसके कारण संदीप इंजीनियर को इस व्यवसाय से भी अलग हटना पड़ा।

सीपीवीसी की क्षमता को पहचाना

संदीप इंजीनियर की कारोबारी यात्रा में महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब उन्होंने अमेरिकी कंपनी लुब्रीजोल (तब बी.एफ.गुडरिच परफॉरमेंस मैटीरियल्स) में काम करते हुए सीपीवीसी (क्लोरीनेटेड पॉलीविनाइल क्लोराइड) पाइप की क्षमता के बारे में जाना। भारतीय बाजार में तब तक इसकी क्षमता को खोजा नहीं गया था। इसकी पोटेंशियल को महसूस करते हुए वह अपने देश वापस आ गए। साल 1998 में उन्होंने एस्ट्रल पॉली टेक्निक की स्थापना की। इससे यह देश में सीपीवीसी पाइप के निर्माण के लिए लाइसेंस प्राप्त करने वाली अग्रणी कंपनी बन गई।

करोड़ों की बन चुकी है कंपनी

एस्ट्रल पॉली टेक्निक ने 2011 में अपने सीपीवीसी पाइप व्यवसाय की सफलता के कारण एस्ट्रल पाइप्स के रूप में अपना नाम बदल लिया। संदीप इंजीनियर के सबसे बड़े बेटे कैरव का व्यवसाय में प्रवेश इसी बदलाव के साथ हुआ। 2014 में कैरव ने लोकप्रिय बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान को कंपनी के ब्रांड एंबेसडर के रूप में लाकर ब्रांड की विजिबिलिटी को और बढ़ाया। कंपनी का सालाना राजस्व 2007 में 60 करोड़ रुपये से बढ़कर मार्च 2023 तक 5,100 करोड़ रुपये से अधिक हो गया।

अडानी एंटरप्राइजेज का बड़ा प्लान, 80 हजार करोड़ रुपए के निवेश की बनाई योजना

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज कारोबारी गौतम अडानी का अडानी ग्रुप लगातार नए प्रोजेक्ट्स में निवेश को बढ़ा रहा है। अब अडानी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज ने चालू वित्त वर्ष (2024-25) में विभिन्न कारोबार क्षेत्रों में 80,000 करोड़ रुपए का निवेश करने की योजना बनाई है। अडानी एंटरप्राइजेज का बिजनेस रिन्यूएबल एनर्जी से लेकर एयरपोर्ट और डाटा सेंटर्स जैसे सेक्टर में है। कंपनी का वित्त वर्ष 2024-25 के कैपिटल एक्सपेंडिचर का एक बड़ा हिस्सा रिन्यूएबल एनर्जी बिजनेस और एयरपोर्ट्स पर होगा। रिन्यूएबल एनर्जी और एयरपोर्ट सेगमेंट में करीब 50,000 करोड़ रुपए का पूंजीगत व्यय होगा। इस ग्रुप की अडानी न्यू इंडस्ट्रीज लिमिटेड सोलर मॉड्यूल बनाती है। यह सूर्य के प्रकाश को बिजली और ग्रीन हाइड्रोजन में बदलता है। सौरभ ने कहा कि गंगा एक्सप्रेसवे की वजह से हम सड़क क्षेत्र में भी 12,000 करोड़ रुपए का निवेश करेंगे। बाकी रकम कारोबारी क्षेत्रों में खर्च की जाएगी।

बनाया ये प्लान

अडानी एंटरप्राइजेज के डिप्टी चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर सौरभ शाह ने एक विश्लेषक कॉल में कहा कि कंपनी का वित्त वर्ष 2024-25 के पूंजीगत व्यय का एक बड़ा हिस्सा नवीकरणीय ऊर्जा कारोबार और हवाई अड्डों पर होगा। उन्होंने कहा, ''हम 2024-25 में लगभग 80,000 करोड़ रुपए के पूंजीगत व्यय पर विचार कर रहे हैं। जिसमें से एक बड़ा हिस्सा...एएनआईएल और हवाई अड्डा कारोबार में जाएगा। इन क्षेत्रों में लगभग 50,000 करोड़ रुपए का पूंजीगत व्यय होगा।'' अडानी न्यू इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एएनआईएल) सौर मॉड्यूल बनाती है जो सूर्य के प्रकाश को बिजली और हरित हाइड्रोजन में परिवर्तित करता है। उन्होंने कहा, ''फिर तीसरा हिस्सा सड़कों का होगा। गंगा एक्सप्रेसवे के कारण सड़क क्षेत्र में 12,000 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा। शेष राशि अन्य कारोबार क्षेत्रों पर खर्च की जाएगी।'' उन्होंने कहा कि हम अपनी पीवीसी परियोजना भी शुरू करने जा रहे हैं। ऐसे में पीवीसी कारोबार में 10,000 करोड़ रुपए लगाए जाएंगे। शेष 5,000 करोड़ रुपए डाटा केंद्रों पर खर्च होंगे। शाह ने कहा कि एएनआईएल 10 गीगावाट सौर मॉड्यूल के साथ-साथ तीन गीगावाट पवन टर्बाइन का उत्पादन करने के लिए कारखानों को लक्षित कर रही है। इधर अडानी एंटरप्राइजेज के शेयर में तेजी भी देखने को मिल रही है। अडानी एंटरप्राइजेज का शेयर बीते शुक्रवार को 1.37 फीसदी के उछाल के साथ 2,803.90 रुपए पर बंद हुए थे। इसने पिछले 6 महीने में करीब 27 फीसदी का रिटर्न दिया है।

विदेशी निवेशकों ने 10 दिन में निकाले 17,083 करोड़, चुनावी माहौल से एफपीआई में अनिश्चितता

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने मई के पहले 10 दिन में घरेलू शेयर बाजारों से 17,083 करोड़ रुपये की निकासी की है। चुनाव के नतीजों को लेकर अनिश्चितता के बीच ऊंचे मूल्यांकन और मुनाफा वसूली के लिए विदेशी निवेशक घरेलू बाजारों से निकासी कर रहे हैं। इससे पहले अप्रैल में मॉरीशस के साथ भारत की कर संधि में बदलाव और अमेरिका में बॉन्ड पर रिटर्न बढ़ने से एफपीआई ने 8,700 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की थी। इस तरह, एफपीआई मई के पहले 10 दिन में ही अप्रैल से अधिक की निकासी कर चुके हैं। एफपीआई ने मार्च में 35,098 करोड़ और फरवरी में 1,539 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था। माना जा रहा है कि चुनाव के बाद घरेलू कंपनियों के मजबूत वित्तीय नतीजों की वजह से एफपीआई भारतीय बाजार में निवेश बढ़ाएंगे।

बॉन्ड बाजार से 1,602 करोड़ रुपये की निकासी

एफपीआई ने शेयरों के अलावा ऋण या बॉन्ड बाजार से भी 1,602 करोड़ रुपये निकाले हैं। इससे पहले मार्च में बॉन्ड बाजार में 13,602 करोड़ रुपये, फरवरी में 22,419 करोड़ रुपये और जनवरी में 19,836 करोड़ रुपये का निवेश किया था। एफपीआई 2024 में अब तक कुल मिलाकर शेयरों से 14,860 करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं।

गोल्ड ईटीएफ से निकले 396 करोड़

नई दिल्ली।गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) से अप्रैल में 396 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी हुईहै।निवेशकों के मुनाफा काटने की वजह से यह निकासी हुई है। हालांकि, मार्च में इसमें 373 करोड़ रुपये का प्रवाह हुआथा।एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के मुताबिक, इस निकासी के बावजूद अप्रैल के अंत में गोल्ड ईटीएफ के प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियां (एयूएम) पांच फीसदी बढ़कर 32,789 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गई।मार्च में गोल्ड ईटीएफ का एयूएम 31,224 करोड़ रुपये रहा था।

क्रेडिट कार्ड: बकाया भुगतान के लिए मिलेंगे तीन दिन अतिरिक्त, जरूरत पर सात दिन में बंद करा सकते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। आरबीआई ने पारदर्शिता बढ़ाने व उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए क्रेडिट कार्ड से जुड़े नियमों में कई बदलाव किए हैं। नएनियमों के तहत आप अपने हिसाब से कार्ड नेटवर्क का चुनाव कर सकते हैं।जरूरत पर क्रेडिट कार्ड को सात दिन में बंद करा सकते हैं। खास बात है कि क्रेडिट कार्ड से जुड़े नियमों में बदलाव कर आरबीआई ने उपयोगकर्ताओं को बड़ी राहत दी है।वह राहत है...बकाया भुगतान के लिएदेय तिथि से तीन दिन का अतिरिक्त समय।इसका मतलब है किअगर आप देय तिथि के तीन दिन बाद भी क्रेडिट कार्ड बकाया चुकाते हैं तो आपको किसी भी तरह का विलंब शुल्क नहीं भरना होगा।

...उपयोगकर्ताओं को मिलेगा मुआवजा

संशोधित नियमों के तहत कार्ड जारी करने वाले बैंकों को अनुरोध के सात कार्यदिवसों के भीतर क्रेडिट कार्ड को बंद करना होगा। ऐसा नहीं करने पर वे कार्डधारक को विलंब शुल्क के रूप में प्रतिदिन 500 का भुगतान करेंगे। कार्ड जारीकर्ता अगर आपके अनुरोध तिथि से कार्ड बंद करने में 10 दिन लगाते हैं, तो इसे तीन दिन विलंब माना जाएगा। इस देरी के लिए वे क्रेडिट कार्डधारक को 1,500 रुपये का मुआवजा देंगे।

क्रेडिट स्कोर पर असर नहीं

क्रेडिट कार्ड का बकाया चुकाने के लिए देय तिथि के अतिरिक्त आपको तीन दिन मिलेंगे। इस अवधि के बाद ही कार्ड जारीकर्ता इस बकाये पर रिपोर्ट कर सकते हैं या जुर्माना लगा सकते हैं।खास बात है कि इससे आपका क्रेडिट स्कोर भी प्रभावित नहीं होगा। उदाहरण के लिए, अगर बकाया भुगतान की देय तिथि एक मई है और आप 4 मई को भुगतान करते हैं, तो इस पर आपको विलंब शुल्क नहीं चुकाना पड़ेगा।

बिजनेस क्रेडिट कार्ड

कारोबारी संस्थाएं व एकमात्र प्रोपराइटर बिजनेस क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं। इसे चार्ज कार्ड के रूप में जारी किया जाता है और इसमें ओवरड्राफ्ट सुविधा मिलती है। नए नियमों के तहत कारोबारी संस्थाएं व्यावसायिक खर्चों के लिए व्यक्तिगत कार्ड का इस्तेमाल नहीं कर सकती हैं। यह नियमों-शर्तों का उल्लंघन माना जाएगा।

30 दिन के भीतर जरूर सक्रिय कर लें कार्ड

बैंक बाजार के सीईओ आदिल शेट्टी कहते हैं कि नए नियमों के तहत कार्डधारक अब अपना कार्ड नेटवर्क चुन सकते हैं और अपनी सुविधा के अनुसार बकाया भुगतान के लिएबिलिंग साइकिल तय कर सकते हैं। ध्यान रखने वाली बात है कि क्रेडिट कार्ड को 30 दिनों के भीतर सक्रिय जरूर कर लें। साल में कम-से-कम एक बार अपने कार्ड का उपयोग जरूर करें। ऐसा नहीं करने पर आपका कार्ड निष्क्रिय हो सकता है।

CBSE Class 10, Class 12 results out, Supplementary Exams From July 15

The Central Board of Secondary Education (CBSE) has announced the schedule for supplementary exams following the declaration of results for the board exams 2024. The supplementary exams for classes 10 and 12 are scheduled to commence on July 15.

Over 1,32,000 students in Class 10 and more than 122,000 in Class 12 have been categorised as supplementary candidates. The CBSE, following recommendations from the National Education Policy (NEP) 2020, renamed compartment exams to supplementary exams last year. According to CBSE examination controller Sanyam Bhardwaj, in the supplementary exams, Class 12 students can aim to enhance their performance in one subject, while Class 10 students can improve in two subjects.

Mr Bhardwaj said that three groups of students are eligible for the supplementary exams: those in Class 10 who failed in two subjects, those in Class 12 who failed in one subject and were placed in the compartment category, students who were declared pass by replacing a sixth or seventh subject, and those in Class 10 and 12 who were declared pass but seek to enhance their performance in two and one subjects, respectively.

A total of 87.98 per cent of students have cleared the 12th board, registering a pass percentage increase of 0.65 since last year, while 93.60 per cent of students passed the Class 10 exam, registering a 0.48 per cent increase in pass percentage since last year. Girls outperformed boys by 2.04 percentage points in the 10th board exam.

Education Minister Dharmendra Pradhan urged students who have not met their expectations not to lose heart, saying "your moment of glory is not far away. Keep hustling."

"To all my friends who have not met their expectations, don't lose heart. All of you have it in you to overcome any challenge. I am sure your moment of glory is not far away. Keep hustling," the minister said in a post on X.

To all my friends who have not met their expectations, don't loose heart.

All of you have it in you to overcome any challenge. I am sure your moment of glory is not faraway. Keep hustling.

— Dharmendra Pradhan (???? ?? ??????) (@dpradhanbjp) May 13, 2024

The results are available for download on the DigiLocker platform and other official websites of the board, including cbseresults.nic.in.

NTA released CUET UG admit card 2024

The National Testing Agency (NTA) has released the Common University Entrance Test Undergraduate (CUET UG) 2024 admit cards on the official websites,i.e., exams.nta.ac.in, nta.ac.in, and cuetug.ntaonline.in Students who will appear for the upcoming examinations are advised to check and download their admit cards now, before any delays. For easy access to CUET UG 2024 admit cards, students are advised to keep their login credentials like date of birth and roll number ready. The upcoming exam will have a hybrid format, featuring both traditional pen-and-paper tests and computer-based testing (CBT). The pen-and-paper tests are set to run from May 15 to 18, and city intimation slips have already been distributed for those dates. Meanwhile, the CBT exams are scheduled for May 21, 22, and 24, but city intimation slips for these sessions are still pending release. This year, 13.48 lakh candidates across 380 cities, including 26 cities outside India, will appear for the examination. This year's examination will conclude in seven days, offering 63 test papers with durations generally of 45 minutes, except for specific subjects. In the CUET UG exam for 2024, there are a total of 7,17,000 male applicants and 6,30,000 female applicants. Each candidate can apply for up to six subjects, and the test involves 261 universities. For language options, CUET (UG) - 2024 will be conducted in 13 languages: English, Hindi, Assamese, Bengali, Gujarati, Kannada, Malayalam, Marathi, Odia, Punjabi, Tamil, Telugu, and Urdu. In terms of question attempts, candidates must answer 40 out of 50 questions in each language paper. For the General Test, candidates need to attempt 50 questions out of 60.1

घर में पड़े ट्रॉफी और मेडल को लग रही है जंग, तो संभालने के लिए अपनाएं ये हैक्स

घर में पड़े लोहे और स्टील से बने सामान पुराने होने पर जंग खाने लगते हैं। ऐसा पानी और हवा में नमी के कारण होता है। अक्सर आपने लोहे वाले दरवाजे और खिड़कियों पर जंग लगते हुए देखा होगा। कई बार स्टोर में रखे हुए बर्तन और तांबे के बर्तनों में जंग लगते हुए आपने देखा होगा। इसी तरह ट्रॉफी और मेडल भी लंबे समय तक पड़े रहने की वजह से जंग खाने लगते हैं। कई लोगों के ट्रॉफी और मेडल का हाल ऐसा हो जाता है कि यह पूरी तरह से काले हो जाते हैं। इनपर लिखी हुई चीजें भी जंग लगने कारण गायब हो जाती है। आज के इस आर्टिकल में हम आपको ट्रॉफी और मेडल को जंग लगने से बचाने के कुछ ऐसे टिप्स बताएंगे, जिससे आप सालों तक इसे संभालकर रख सकते हैं।

ट्रॉफी और मेडल को जंग लगने से कैसे बचाएं?

अक्सर लोग ट्रॉफी और मेडल को अपने घर की ऊपर की दीवारों और अलमारी में सजाकर रखना पसंद करते हैं। कई लोग हैं, जो इसे अपने बेड और टेबल पर भी सजा कर रखते हैं। लेकिन लोग इसे बस सजाने के लिए रखकर छोड़ देते हैं, लेकिन इसकी रोज सफाई नहीं करते हैं। ट्रॉफी और मेडल पर हर दिन धूल-मिट्टी चढ़ती रहती है। इस वजह से यह समय के साथ काले पड़ने लगते हैं। अगर आप ट्रॉफी और मेडल को हमेशा नए जैसा रखना चाहते हैं, तो हर दिन आप इसे साफ कपड़े साफ करें। अगर आप हर दिन एक बार इनपर साफ कपड़ा मारते हैं, तो इन्हें जंग लगने से रोका जा सकता है।

ट्रॉफी और मेडल को कहां रखें?

कीचन या कूलर वाले कमरे में ट्रॉफी और मेडल रखने से भी इनपर जंग पड़ने लगता है। क्योंकि कूलर की हवा में नमी ज्यादा होती है। इसके अलावा किचन के पास वाले कमरे में अगर आपने अपनी ट्रॉफी और मेडल को सजाकर रखा है, तो इसकी वजह से भी इनपर जंग लगने लगता है। क्योंकि किचन में खाना बनने के कारण हवा में नमी और गर्मी अधिक होती है। इसलिए आप अपनी ट्रॉफी और मेडल को इन जगहों से दूर रखें। आप एल्युमिनियम फॉयल की मदद से भी जंग को हटाना सकते हैं।

ट्रॉफी और मेडल को इस तरह करें कवर

अगर आप ट्रॉफी और मेडल को सालों तक नए जैसा रखना चाहते हैं, तो आपको इसे कवर करके रखना चाहिए। आप इन्हें किसी ऐसी विजिबल पॉलीथिन में रख सकते हैं, जिसमें हवा न जाएं। इसके अलावा इन्हें को अलमारी में भी बंद करके रख सकते हैं। ट्रॉफी और मेडल को जितना हवा, धूल मिट्टी और पानी से बचाया जाएगा, उतनी ही यह लंबे समय तक चमकते रहेंगे।

आज के समय में बच्चों को सिर्फ शिक्षित होना ही काफी नहीं है, बल्कि उन्हें सामाजिक बनाना भी बेहद जरूरी है। तो चलिए कैसे उन्हें सोशल बना सकते हैं, इस बारे में एक्सपर्ट से जानते हैं।

सिर्फ एजुकेशन ही काफी नहीं!

बच्चों की सोशल एक्टिविटी भी बढ़ाएं

कुछ लोगों की तारीफ में आपने सुना होगा कि वह पढ़ा भले नहीं, लेकिन कढ़ा है। यह कढ़ा होना असल में किसी के सामाजिक होने की पहचान है। बच्चों में भी यह गुण विकसित करना जरूरी है। कई बार माता-पिता बच्चे को पढ़ाने पर तो पूरा जोर देते हैं, लेकिन उसकी सामाजिकता की अनदेखी कर देते हैं। कभी-कभी पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन करने वाले बच्चे भी लोगों के साथ रहना और व्यावहारिक बनना नहीं सीख पाते हैं। कुछ छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखकर बच्चों को सामाजिक बनाया जा सकता है।

प्रश्न पूछना सिखाएं

संबंधों को मजबूत बनाने और बच्चों को सहज बनाने में प्रश्नों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसलिए बच्चों को प्रश्न पूछना सिखाएं। उन्हें ऐसे प्रश्न पूछना सिखाएं, जिनका उत्तर केवल हां या ना में देना संभव न हो। आपसे भी बच्चा कोई प्रश्न करे तो उसे सिर्फ हां या ना बोलकर न टालें।

पसंद को पहचानें

बच्चे की पसंद को पहचानें और समान रुचि वाले अन्य बच्चों के साथ खेलने के लिए प्रेरित करें। इसके लिए आप बच्चे को उसकी पसंद के खेल वाले ग्रुप में भेज सकते हैं। वैसे तो बच्चे का सभी के साथ घुलना-मिलना जरूरी है, लेकिन इसकी शुरुआत अगर अपने जैसी पसंद वालों के साथ हो तो परिणाम और भी बेहतर हो जाता है। असल में यह बच्चे को सामाजिक बनाने की दिशा में पहली सीढ़ी है।

खेल-खेल में सिखाएं

बच्चों के साथ भूमिका बदलकर खेलना उन्हें सिखाने में मददगार होता है। अगर आपको लगता है कि बच्चा किसी से बोलने में हिचकता है, तो खेल-खेल में उसे उसी व्यक्ति की भूमिका निभाने को कहें। इससे आपको यह समझने में मदद मिलेगी कि बच्चा किन बातों पर झिझकता है। ऐसे खेल को रोल प्ले कहा जाता है। बच्चे को सामाजिक बनाने में रोल प्ले की कारगर भूमिका हो सकती है।

सहानुभूति की सीख दें

अगर बच्चा लोगों की भावनाओं को समझने लगे, तो वह एक अच्छे और सामाजिक व्यक्तित्व के रूप में निखरकर सामने आता है। इसके लिए जरूरी है कि आप उसे लोगों की भावनाओं का सम्मान करना सिखाएं। उसके सामने किसी की तकलीफ का मजाक न उड़ाएं। एक सामाजिक व्यक्ति में लोगों की भावनाओं का सम्मान करने का सामर्थ्य होना चाहिए।

बनें आदर्श उदाहरण

बच्चे के सामने हमेशा अपने व्यवहार पर नियंत्रण रखें। लोगों से उसी तरह पेश आएं, जैसी आप अपने बच्चे से उम्मीद करते हैं। आप जैसा करेंगे, बच्चा वैसा ही सीखेगा। इसके अलावा अपने बच्चे की सीमा भी समझें। सभी बच्चे समान रूप से व्यवहार करें, यह जरूरी नहीं है। इस बात को स्वीकारना जरूरी है कि कुछ बच्चे अन्य की तुलना में कम सामाजिक होते हैं। अगर स्थिति चिंताजनक लगे तो डॉक्टर से मिलना चाहिए।

गर्मियों में पानी के टैंक को ठंडा रखने के लिए फॉलो करें ये उपाय

गर्मी के मौसम में बाथरूम और किचन के नल से आने वाला पानी इतना उबला हुआ होता है कि इससे नहाना तो दूर की बात है हाथ धोना भी सहन नहीं हो पाता है। आपकी इसी समस्या का आज हम हल लेकर आए हैं।

गर्मियों में पानी के टैंक का पानी गर्म हो जाना आम बात है। चिलचिलाती गर्मी और तेज धूप के कारण ही छत पर रखी पानी की टंकी भी काफी ज्यादा हीट हो जाती है, जिससे सिंक में पानी भी बिल्कुल उबला हुआ निकलता है। आपको भी इस परेशानी का सामना करना ही पड़ता होगा। क्योंकि यह तो समर सीजन में होने वाली हर घर की बड़ी समस्याओं में से एक है। पर, क्या आपको पता है कि आप इसे कूल कैसे रख सकते हैं? अगर नहीं, तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि टंकी में बिना बर्फ डाले कैसे इसे ठंडा रख सकते हैं।

टैंक को सफेद रंग से रंगें

सफेद रंग गर्मी को अवशोषित नहीं करते हैं। ऐसे में, कोशिश करें कि आप व्हाइट कलर की टंकी ही घर पर लगवाएं। कई जगहों पर पानी की काली टंकी दिखाई देती है, जो गर्मी को बहुत ज्यादा अवशोषित करते हैं। अगर आपका टैंक गहरे रंग का है, तो आप इसे सफेद रंग से पेंट भी कर सकते हैं।

टैंक के चारों ओर गीली मिट्टी लगाएं

मिट्टी आपके वाटर टैंक को ठंडा रखने में मदद करती है। ऐसे में, आप टैंक के चारों मिट्टी की दीवार उठा सकते हैं। अगर दीवार नहीं बनवा सकते हैं, तो कम से कम गीली मिट्टी से भरे गमलों को ही टैंक के आसपास रख दें।

टैंक को छाया में रखें

टैंक को छत पर खुली और सीधी धूप में रखने से बचें। इसकी जगह पानी की टंकी को पेड़ों की छाया या छप्पर के नीचे रखें। अगर संभव हो, तो टैंक को उत्तर की दीवार के पास ही व्यवस्थित कराएं, जहां इसे कम धूप मिले।

टंकी के चारों तरफ लगाएं थर्माकोल

गर्मी के मौसम में पानी की टंकी के चारों तरफ थर्माकोल लगा सकते हैं। थर्माकोल गर्मी का कुचालक होता है, जो टंकी तक अधिक गर्मी को नहीं पहुंचने देता है। ऐसा करने के बाद आपके घर में लगे नलों से उबला हुआ पानी का आना बंद हो सकता है। आपको गर्मी से थोड़ी राहत भी मिल जाएगी।

अपने वॉर्डरोब को करें अपडेट

हमसे से अधिकतर लोग ऐसे हैं, जो समय की कमी के कारण अपने वॉर्डरोब पर ध्यान नहीं दें पाते। जिसके कारण वॉर्डरोब में नए-पुराने कपड़ों का ढ़ेर लग जाता है। क्यों न समय का सही इस्तेमाल करते हुए अपने वॉर्डरोब को अपडेट किया जाएं। आइए जानते कुछ टिप्स-

- डार्क कलर के 1-2 पैंट्स अगर आपके वॉर्डरोब में हैं, तो नए लुक के लिए कुछ कलरफुल शॉर्ट कुर्ते खरीदें। कलमकारी, इकत या लखनवी चिकन के शॉर्ट कुर्ते अच्छे लगते है। साथ ही रूटीन में पहनें जानेवाले टॉप और पैंट स्टाइल को भी ब्रेक मिलता है।
- प्लेन टाइट टीशर्ट यदि आपके वॉर्डरोब में है तो इसको आप कलरफुल धोती पैंट के साथ आप टीमअप कर सकते है।
- यदि वॉर्डरोब में पुरानी प्रिटेंड सलवारों ने काफी जगह घेर रखी है, तो इनके उपर पहनने के लिए 1 से 2 कुर्ती खरीदें।
- यदि पेन्सिल जींस आपके पास हैंतो 1 से 2 फ्लोरल लॉन्ग लाइन शर्ट खरीदें।
- पुराने शॉटर्स अलनारी में है तो फ्रिल नेक ब्लाउज टॉप या कॉन्ट्रास्ट बाइंजिंग नॉट टॉप खरीदें। नया टॉप पहनने पर पुराने शॉटर्स भी नए लुक में नजर आते है।
- अगर आपके पास कलरफुल लॉन्ग स्कर्ट है, तो उसके साथ शॉर्ट कुर्ती, टीशर्ट या लॉन्ग कुर्ते भी पहने जा सकते है।
- एलाइन फुल लेंथ स्कर्ट पहले से है, तो उसके साथ लॉन्ग कुर्ते पहनें, हील्स पहनें। इससे हाइट अच्छी दिखगी।
- शॉर्ट स्कर्ट के साथ जैगिंग्स पहनना ट्रेंडी लुक देगा। साथ में एक्सेसरी के तौर पर स्कार्फ भी लें।
- पैंट, जींस के लिए मल्टीपर्पस 5 लेअर हैंगर का इस्तेमाल करें। यह वॉर्डरोब की जगब को कम घेरेगा और वॉर्डरोब संवरा दिखेगा।
- सॉक्स और अंडरगारमेंट्स आर्गेनाइजर भी वॉर्डरोब को क्लीन लुक देते हैं। इसमें ब्रा का भी सेक्शन होना चाहिए। सिंगल पैडेड ब्रा, स्पोर्टर्स, ब्रा, टीशर्ट ब्रा, रेगलुर यूज के लिए 5 से 6 अलग-अलग ब्रा रखें। आयरन की हुई शर्ट या कुर्ते हैंगर में लटकाने से अगर जगह ज्यादा घिरती है, तो उसके लिए शर्ट ऑर्गनाइजर अच्छा रहेगा।
- होम स्ट्रेप हैगिंग ज्वेलरी ऑर्गेनाइजर वॉर्डरोब के अंदर की ओर किसी हुक पर लगाएं। इस पर अपनी चंकी ज्वेलरी, ब्रेसलेट, नेक पीस जैसी चीजें टांग सकती हैं, जिससे जरूरत के समय सामने नजर आए।

दांतों की सफाई के अलावा भी कई कामों के लिए काम का साबित हो सकता है टूथपेस्ट

एक समय था जब लोग दांतों की सफाई के लिए टूथपेस्ट जैसी चीजों का इस्तेमाल करते थे। लेकिन आजकल ज्यादातर लोग दांत चमकाने के लिए टूथपेस्ट यूज करते हैं। पर दांतों की सफाई के अलावा और भी कई कामों के लिए टूथपेस्ट बहुत काम की साबित हो सकती है। आप सोच रहे होंगे कैसे? तो आइए आपको बताते हैं टूथपेस्ट को दाग हटाने के लिए कैसे हटाया जा सकता है।

जूतों की करें टूथपेस्ट से सफाई

- चाहे किसी भी रंग के जूते खरीद लें एक समय के बाद शूज बहुत गंदे हो जाते हैं।
- शूज से गंदगी हटाने के लिए उन्हें बार-बार नहीं धोना चाहिए। ऐसा करने से रंग फीका होता है और क्वालिटी भी खराब हो जाती है।
- ऐसे में सवाल यह है कि जूतों की सफाई कैसे की जाए? आपको बता दें कि टूथपेस्ट की मदद से आप आसानी से जूते साफ कर सकते हैं।
- आपको बस जूते पर लगे दाग पर टूथपेस्ट लगानी है। इसके बाद साफ कपड़े से टूथपेस्ट को साफ करना है।
- ऐसा करने पर जूते काफी साफ हो जाते हैं।

फोन का कवर करें साफ

- फोन के कवर पर अक्सर कई चीजों के दाग लग जाते हैं। ऐसे में 2 से 3 मिनट के लिए टूथपेस्ट को कवर पर लगा दें।
- इसके बाद टूथपेस्ट को साफ कपड़े या टिशू से साफ करें। आप देखेंगे की फोन का कवर बहुत साफ हो चुका है।
- कवर के अलावा फोन पर लगे छोटे-मोटे स्कैच को भी टूथपेस्ट गायब कर देता है।

लिपस्टिक का दाग

- बहुत बार लाइट कलर के कपड़ों पर गलती से लिपस्टिक का दाग लग जाता है। ऐसा होने पर भी टूथपेस्ट यूज की जा सकती है।
- दाग पर टूथपेस्ट लगाएं और उसे किसी ब्रश की मदद से साफ करें।

टेबल पर लगे चाय के दाग

- चाय पीते वक्त हम कप को टेबल पर रख देते हैं जिससे चाय का दाग लग जाता है।
- ऐसे में अगर चाय का दाग टेबल से ना हटे तो आप टूथपेस्ट का इस्तेमाल करें।
- टूथपेस्ट लगाने से चाय का दाग छूमंतर हो जाता है।
- दीवारों पर लगे दाग
- पेंट करवाने के बाद कुछ दिनों तक दीवारें बहुत साफ-सुथरी नजर आती हैं।
- लेकिन एक समय के बाद दीवारों पर तरह-तरह के दाग लग जाते हैं।
- इन दागों से छुटकारा पाने के लिए इन पर टूथपेस्ट लगाएं और हल्के हाथ से मसलें।
- ऐसा करने पर दाग हट जाता है और दीवारे साफ लगती हैं।

आईपीएल:2024

कोहली की आरसीबी ने जड़ा जीत का पंच

बेंगलुरु एजेंसी। तेज गेंदबाज यश दयाल ने आईपीएल के दूसरे हाफ में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जोरदार वापसी का श्रेय टीम के आक्रामक होकर खेलने को दिया। लगातार छह हार के बाद आरसीबी ने लगातार पांच जीत दर्ज की और टीम प्लेऑफ में जगह बनाने की दौड़ में बनी हुई है। आरसीबी ने अपने पिछले मैच में रविवार को यहां दिल्ली कैपिटल्स को 47 रन से हराया और 13 मैच में 12 अंक के साथ टीम तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच गई।

दिल्ली के खिलाफ 20 रन देकर तीन विकेट लेने वाले दयाल ने कहा, 'पिछले कुछ मैचों में हमारे प्रदर्शन में काफी सुधार हुआ है। मुझे लगता है कि हमने पिछले कुछ मैचों में आक्रामक होकर खेलना शुरू कर दिया है। यह हमारे लिए बड़ा सकारात्मक पक्ष रहा है।' बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने कहा कि जब आरसीबी को हार का सामना करना पड़ रहा था तब भी ड्रेसिंग रूम में टीम एकजुट थी। उन्होंने कहा, 'जब आप लगातार मैच हारते हैं, जैसा कि हमारे साथ हुआ, तो मनोबल थोड़ा कम हो जाता है। लेकिन हमने इसे स्वीकार किया और अच्छी वापसी की।'

दयाल ने कहा, 'लेकिन जब हम हार रहे थे तब भी किसी पर अंगुलियां नहीं उठाई गईं। हम पूरे सत्र में सकारात्मक बने रहे।' दिल्ली के गेंदबाजी कोच जेम्स होप्स ने कहा कि उनकी टीम ने कैच छोड़कर आरसीबी को कुछ और रन जोड़ने दिए तथा प्रतिस्पर्धी स्कोर से अधिक रन बनाने दिए। तेज अर्धशतक बनाने वाले रजत पाटीदार और 41 रन बनाने वाले विल जैक्स के कैच दिल्ली के क्षेत्ररक्षकों ने छोड़े। उन्होंने कहा, 'उन्हें बहुत सारे जीवनदान मिले और हमने चार कैच छोड़े। अगर हमने उन्हें पकड़ लिया होता तो शायद हम उन्हें 160-165 रन तक सीमित कर सकते थे।' होप्स ने कहा, 'लेकिन यह ठीक है और अगर आप बल्ले से जीत दर्ज नहीं करोगे तो इस टूर्नामेंट में बहुत अधिक मैच नहीं जीत पाओगे।'

दो बार की चैंपियन कोलकाता नाइटराइडर्स इस बार चमत्कारिक खेल दिखा रही है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली टीम के पास प्लेऑफ के मुकाबले शुरू होने से पहले पॉइंट्स टेबल में टॉप पर फिनिश करने की 62.5त्न संभावना है और संयुक्त टॉपर बनने की 87.5त्न संभावना। केकेआर अगर अपने बचे दोनों मुकाबले भी हार जाती है तो सनराइजर्स हैदराबाद के साथ दूसरी पोजिशन पर टाई कर सकती है।

रविवार को हार के बावजूद संजू सैमसन की टीम के पास अकेले टेबल टॉपर बनने की 12.5 प्रतिशत संभावना है और संयुक्त टॉपर बनने की 37.5 प्रतिशत संभावना। अगर आगे भी राजस्थान की हार का सिलसिला नहीं थमा तो वह टूर्नामेंट की दो अन्य टीमों (सीएसके और एलएसजी) के साथ तीसरे स्थान पहुंच जाएगी, जिसका मतलब है कि सैद्धांतिक रूप से राजस्थान अभी भी क्वालिफाई करने में असफल हो सकती है।

तीसरे स्थान पर मौजूद सीएसके के पास अकेले या संयुक्त रूप से अंकों के आधार पर टॉप चार में शामिल होने की लगभग प्रतिशत संभावना है। अगर चेन्नई अपना आखिरी मुकाबला शानदार अंतर से जीत जाए और बाकी की टीम बुरी तरह से हार जाए तो बेस्ट हालातों में येलो आर्मी दूसरी पोजिशन पर भी कई टीमों के साथ टाई कर सकता है। पांचवें स्थान पर चल रही आरसीबी के पास अंकों के मामले में शीर्ष चार में जगह बनाने की ज्यादा संभावना है। आरसीबी अपने सर्वश्रेष्ठ परिदृश्य में तीन से पांच अन्य टीमों के साथ तीसरे स्थान पर फिनिश कर सकती है। उनके लिए अच्छी खबर यह है कि वर्तमान में उनके पास प्लेऑफ की रेस में दौड़ रही अन्य सभी टीमों से सबसे बेहनतर नेट रन रेट है।

आरसीबी से मैच हारकर दिल्ली कैपिटल्स ने अपनी पोजिशन कमजोर कर ली है। छठे स्थान पर मौजूद दिल्ली के पास अकेले या संयुक्त रूप से अंकों के आधार पर टॉप फोर में जगह बनाने की 31.3त्न संभावना है। उनका सर्वश्रेष्ठ परिदृश्य तीन से पांच अन्य टीमों के साथ तीसरे स्थान पर पहुंचने का है।

सातवें स्थान पर मौजूद एलएसजी के पास अतिरिक्त गेम की बदौलत अंकों के आधार पर शीर्ष चार में जगह बनाने की 56त्न से ज्यादा संभावना है। उनका सर्वश्रेष्ठ परिदृश्य एक से तीन अन्य टीमों के साथ दूसरे स्थान पर फिनिश करना है। लखनऊ को अभी दिल्ली और मुंबई से दो मैच खेलने हैं।

आठवें स्थान पर मौजूद गुजरात के पास अंकों के मामले में टॉप फोर में जगह बनाने की संभावना 16त्न से कम है। उनका सर्वश्रेष्ठ परिदृश्य चार या पांच अन्य टीमों के साथ तीसरे स्थान पर फिनिश करना हो सकता है।

आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा बार डक पर आउट होने वाले प्लेयर बने दिनेश कार्तिक

बेंगलुरु एजेंसी। आईपीएल 2024 के 62वें लीग मैच में आरसीबी ने दिल्ली को 47 रन से हरा दिया। इस मैच में दिल्ली ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया और फिर आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 187 रन बनाए। इसके बाद दिल्ली की टीम इस मैच में 19.1 ओवर में 140 रन पर आउट हो गई और इस टीम को 47 रन से हार मिली। इस मैच में आरसीबी के विकेटकीपर दिनेश कार्तिक ने एक शर्मनाक रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। दिनेश कार्तिक इस मैच मे यानी दिल्ली के खिलाफ अपना खाता भी नहीं खोल पाए। उन्होंने इस मुकाबले में 2 गेंदों का सामना किया और दिल्ली के तेज गेंदबाज खलील अहमद की गेंद पर कुलदीप यादव के हाथों कैच आउट हो गए। आईपीएल में ये 18वां मौका था जब कार्तिक डक पर आउट हुए।

आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले बैट्समैन

18 – दिनेश कार्तिक
17 – ग्लेन मैक्सवेल
17 –रोहित शर्मा
16 – पीयूष चावला
16 – सुनील नरेन
15 – राशिद खान
15 –मनदीप सिंह

दिनेश कार्तिक ने इस सीजन में अब तक खेले 13 मैचों की 11 पारियों में 301 रन बनाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट 194.19 का रहा है। उनकी बेस्ट पारी 83 रन की रही है और उन्होंने अब तक इन मैचों में 2 अर्धशतक भी जड़े हैं। इस सीजन में वो एक बार अब तक इन मैचों में डक पर आउट हुए हैं और 4 बार नाबाद रहे हैं।

टी20 विश्व कप से पहले टॉम मूडी ने टीम इंडिया पर उठाए सवाल!

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 विश्व कप नजदीक आने के साथ ही पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर टॉम मूडी ने सवाल उठाया है कि क्या भारत विश्व कप जीतने के लिए उस स्तर का क्रिकेट खेल पाएगा, जो वर्ल्ड चैंपियन बनने के लिए जरूरी है। टी20 वर्ल्ड कप 1 जून से वेस्टइंडीज और अमेरिका में निर्धारित है, जबकि आईपीएल 26 मई को समाप्त होगा। आईपीएल 2024 के लिए आधिकारिक टीवी ब्रॉडकास्टर स्टार स्पोर्ट्स के क्रिकेट विशेषज्ञ और कमेंटेटर टॉम मूडी ने आईएएनएस को बताया, ऑस्ट्रेलिया ने ऐतिहासिक रूप से इन आईसीसी प्रतियोगिताओं में बहुत प्रदर्शन किया है क्योंकि वे बड़े टूर्नामेंट अच्छा खेलते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारत को एक बहुत मजबूत टीम मिली है और उनके पास बहुत सारे मैच विनर हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या वे इस टीम को इतने कम समय में स्टेबल बना सकते हैं। आईपीएल के तुरंत बाद वर्ल्ड कप का आगाज होना है और टीम के पास तैयारियों के लिए ज्यादा समय नहीं होगा।

आईपीएल के लीग चरण के समापन के बाद टीम इंडिया के खिलाड़ियों का पहला बैच अमेरिका के लिए रवाना होगा। नॉकआउट चरण में आगे बढ़ने वाले खिलाड़ी आईपीएल 2024 फाइनल के बाद टीम में शामिल होंगे। इससे कई लोगों के मन में सवाल उठ रहा है कि क्या खिलाड़ी नई परिस्थितियों के साथ इतने कम समय में तालमेल बिठा पाएंगे।

टॉम मूडी ने कहा, इस स्तर पर यह कहना बहुत मुश्किल है, लेकिन मुझे लगता है कि यह विश्व कप जैसा ही होगा। हमें अभी तक यह समझ में नहीं आया है कि अमेरिका में परिस्थितियां कैसी होंगी। वहां ड्रॉप-इन पिचें होंगी। अभी नहीं पता कि वे तेज और उछाल भरी होंगी या स्पिन को सपोर्ट करेंगी या धीमी होंगी। हमें अभी यह समझना होगा कि वे पिचें किस टीम को सूट करेंगी।

भारत अपने सभी ग्रुप चरण के मैच अमेरिका में खेलेगा। वह अपने ग्रुप ए मुकाबलों में आयरलैंड, पाकिस्तान, अमेरिका और कनाडा से भिड़ेंगे। अगर भारतीय टीम आगे क्वालीफाई करेगी तो उन्हें नॉकआउट चरण के लिए कैरेबियाई देश जाना होगा। हालांकि, वहां की परिस्थितियां भारतीय टीम के लिए काफी हद तक परिचित होंगी।

जडेजा आईपीएल में मैदान में बाधा डालने पर आउट होने वाले तीसरे खिलाड़ी

सैमसन ने इस तरह भेजा पवेलियन

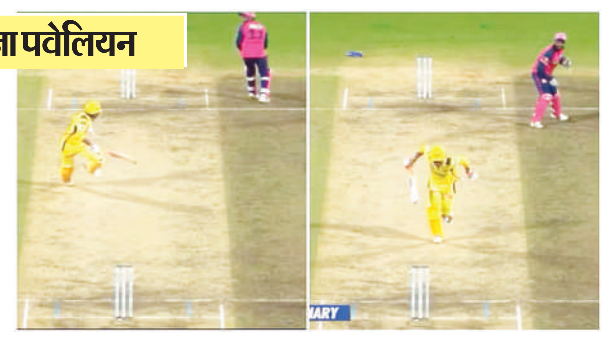

चेन्नई, एजेंसी। आईपीएल 2024 के 61वें मैच में चेन्नई सुपर किंग्स का सामना राजस्थान रॉयल्स से हुआ। चेपॉक में खेले गए इस मुकाबले को सीएसके ने पांच विकेट से अपने नाम किया। हालांकि, मैच में चेन्नई की पारी के दौरान एक दिलचस्प वाकया भी देखने को मिला। रवींद्र जडेजा मैदान में बाधा डालने या फिर यूं कहें क्षेत्ररक्षण में बाधा डालने के लिए आउट करार दिए गए। आईपीएल में इस तरह से आउट होने वाले वह सिर्फ तीसरे खिलाड़ी बने। हालांकि, जडेजा के आउट होने से सीएसके को ज्यादा नुकसान नहीं हुआ और कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ की नाबाद 42 रन की पारी और समीर रिज्वी के नाबाद 15 रन की बदौलत चेन्नई ने पांच विकेट से जीत हासिल की।

क्या है पूरा मामला?

राजस्थान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट गंवाकर 141 रन बनाए थे। जवाब में चेन्नई ने धीमी बल्लेबाजी की और एक वक्त चार विकेट गंवाकर 121 रन बना लिए थे। 16वें ओवर में आवेश खान गेंदबाजी के लिए आए। तब ऋतुराज के साथ जडेजा क्रीज पर थे। ओवर की पांचवीं गेंद पर जडेजा ने थर्ड मैन पर शॉट खेला और रन के लिए दौड़ पड़े। एक रन लेने के बाद वह दूसरे रन के लिए दौड़े और आधे पिच तक दौड़ गए थे। हालांकि, ऋतुराज ने स्ट्राइक एंड से उन्हें वापस जाने के लिए कहा। तब तक सैमसन के ग्लव्स में गेंद आ चुकी थी और उन्होंने नॉन स्ट्राइक एंड पर थ्रो किया।

बांग्लादेश वर्सेस जिम्बाब्वे

जिम्बाब्वे ने आठ विकेट से जीता सीरीज का आखिरी मैच, बांग्लादेश को क्लीन स्वीप करने से रोका

ढाका, एजेंसी। कप्तान सिकंदर रजा और ब्रायन बेनेट की शानदार पारियों की मदद से जिम्बाब्वे ने रविवार को यहां पांचवें और अंतिम टी-20 मैच में 8 विकेट से जीत दर्ज करके बांग्लादेश को पांच मैच की श्रृंखला में क्लीन स्वीप नहीं करने दिया। बांग्लादेश ने 6 विकेट पर 157 रन बनाए।

जिम्बाब्वे ने 18.3 ओवर में 2 विकेट पर 158 रन बनाकर जीत हासिल की। बांग्लादेश ने इस तरह से यह सीरीज 4-1 से जीत ली। जिम्बाब्वे की पारी का आकर्षण कप्तान रजा और बेनेट के अर्धशतक रहे। रजा ने नाबाद 72 रन बनाए जबकि बेनेट ने 70 रन बनाए। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 75 रन की साझेदारी की जिससे जिंबाब्वे नौ गेंद शेष रहते ही जीत हासिल करने में सफल रहा। इससे पहले बांग्लादेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 15 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे। महमुदुल्लाह (54) और कप्तान नजमुल (36) की पारियों से टीम सम्मानजनक स्कोर तक पहुंची। बेनेट ने 20 रन देकर दो विकेट लिए।

सीन विलियम्स ने कहा टी20 क्रिकेट को अलविदा, वनडे और टेस्ट में खेलना रखेंगे जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। जिम्बाब्वे के स्टार ऑलराउंडर सीन विलियम्स ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने बांग्लादेश में हाल ही में समाप्त हुई पांच मैचों की टी20 सीरीज के बाद यह फैसला लिया है। जिम्बाब्वे के स्टार ऑलराउंडर सीन विलियम्स ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है।

बाएं हाथ के बल्लेबाज ने बांग्लादेश में हाल ही में समाप्त हुई पांच मैचों की टी20 सीरीज के बाद यह फैसला लिया है। बांग्लादेश ने शुरुआती चार मैचों में जीत दर्ज की जबकि आखिरी मुकाबला जिम्बाब्वे ने जीता। विलियम्स इस सीरीज के पहले और आखिरी मैच में खेलते नजर आए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह वनडे और टेस्ट में खेलना जारी रखेंगे। जिम्बाब्वे के अधिकारी ने कहा, उन्होंने (विलियम्स) ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया और खेल के बाद अपने टीम के साथियों को अपने फैसले के बारे में सूचित किया।

विलियम्स ने जिम्बाब्वे के लिए 81 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले। इनमें उन्होंने 126.38 की स्ट्राइक रेट से 1691 रन बनाए। इसके अलावा उन्होंने 48 विकेट भी हासिल किए।

चोटिल रमित टंडन स्क्वैश विश्व चैंपियनशिप से बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के रमित टंडन को मिस्र के काहिरा में स्क्वैश विश्व चैंपियनशिप में दुनिया के 7वें नंबर के खिलाड़ी मोहम्मद अल शोरबागी के खिलाफ दूसरे दौर के मैच में चोट लगने के कारण रिटायर होना पड़ा।

दुनिया के 36वें नंबर के खिलाड़ी रमित टंडन ने पहले गेम में पूर्व विश्व चैंपियन मोहम्मद अलशोरबागी को कड़ी टक्कर दी और 11-8 से गेम हारे। इसी दौरान उन्हें पिंडली में चोट लग गई। इसके बावजूद वह दूसरा गेम खेलने उतरे, लेकिन दर्द बढ़ने पर बीच में ही मैच छोड़ना पड़ा। उस समय वह 3-4 से पीछे थे।

यह पूर्व विश्व नंबर 1 मिस्री-इंग्लिश खिलाड़ी के साथ टंडन का पहला मुकाबला था। टूर्नामेंट में सीधे प्रवेश पाने वाले विश्व नंबर 36 भारतीय ने पहले दौर में विश्व नंबर 57, अमेरिका के फ़राज खान पर 11-1, 11-3, 11-3 से आसान जीत दर्ज की थी।

अब तीसरी शादी करेंगी दलजीत!

दलजीत कौर अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर हमेशा चर्चा में रहती हैं। पिछले दिनों खबर आई थी कि दलजीत ने अपने दूसरे पति निखिल पटेल से तलाक ले लिया है। अभिनेत्री भारत वापस आ गई हैं और अपने प्रोफेशनल लाइफ में काफी बिजी भी हो गई हैं। अब हाल ही में, दलजीत ने अपनी एक तस्वीर साझा की है, जिसमें वह सिंदूर लगाए नजर आ रही हैं। लोगों का कहना है कि दलजीत ने तीसरी शादी कर ली है या फिर वह जल्द फिर से शादी के बंधन में बंधने वाली हैं। हालांकि, दलजीत ने अभी तक अपने तलाक को लेकर फैंस से कोई भी अपडेट साझा नहीं किया है।

16 मई को प्रदर्शित होगी पृथ्वीराज सुकुमारन की गुरुवायूर अंबाला

पृथ्वीराज सुकुमारन की पिछली फिल्म आदुजीविथम ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था। फिल्म ने भारत के बाहर भी अच्छा कारोबार किया था। पृथ्वीराज ने हिंदी फिल्म बड़े मियां छोटे मियां में भी अभिनय किया था। उनके प्रशंसक अब अगली फिल्म का इंतजार कर रहे हैं। प्रशंसकों को पता है कि पृथ्वीराज सुकुमारन जल्द ही फिल्म गुरुवायूर अंबाला नदायिल को लेकर आ रहे हैं। पृथ्वीराज सुकुमारन की गुरुवायूर अंबाला नदायिल 16 मई को रिलीज होने के लिए तैयार है। शुक्रवार को इसका ट्रेलर रिलीज किया गया था, जिसे फैंस काफी ज्यादा पसंद कर रहे हैं। फिल्म निर्माता इसका धुआंधार प्रचार कर रहे हैं। इसका निर्देशन विपिन दास ने किया हैं, जो इससे पहले फिल्म जया जया जया जया हे को निर्देशित कर चुके हैं। पिछले महीने की शुरुआत में फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई थी। फिल्म का निर्माण ई4 एंटरटेनमेंट द्वारा किया गया है। गुरुवायूर अंबाला नदायिल की कहानी दीपू प्रदीप ने लिखी है। पृथ्वीराज सुकुमारन के अलावा बेसिल जोसेफ, निखिला विमल, अनस्वरा राजन और जगदीश भी अभिनय करते नजर आएंगे। फिल्म की कहानी शादी पर केंद्रित है। यह एक पारिवारिक ड्रामा फिल्म है। पृथ्वीराज को उम्मीद है कि उनकी यह फिल्म भी अच्छा प्रदर्शन करेगी और लोग इसे पसंद करेंगे।

किरण राव की लापता लेडीज़ देखने के बाद भावुक हुई जान्हवी कपूर

अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने किरण राव की लापता लेडीज़ की अपनी समीक्षा साझा की, जो ओटीटी पर रिलीज होने के बाद से व्यापक प्रशंसा प्राप्त कर रही है, और व्यंग्य नाटक की प्रशंसा की। उन्होंने फिल्म के कलाकारों और क्रू के लिए सराहना के शब्द भी साझा किए। शनिवार को, जान्हवी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर साझा किया और लिखा, प्रतिभा सांता, आपकी मूक ताकत; नितांशी सिंह, आपकी मासूमियत और दिल छू लेने वाली मुस्कान; स्पर्श श्रीवास्तव, आपकी ईमानदारी और निश्छल हास्य!!! आप लोगों और किरण राव को सलाम, मॉम, इतनी सुंदर कलाकृति और इतनी विशेष प्रस्तुति बनाने के लिए। इससे पहले, प्रियंका चोपड़ा, राजकुमार राव और अनन्या पांडे के साथ, किरण राव की लापता लेडीज़ की समीक्षा करने वाले सितारों की लीग में शामिल हुईं। प्रियंका ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर फिल्म का एक पोस्टर शेयर किया और लिखा, मनोरंजन और शिक्षा के लिए धन्यवाद . लापता लेडीज़ में नितांशी गोयल, प्रतिभा रांटा, स्पर्श श्रीवास्तव और रवि किशन महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

संक्षिप्त समाचार

वॉशरूम ब्रेक का अनुरोध करने के लिए वॉकी-टॉकी का इस्तेमाल शर्मनाक

महिला ट्रेन चालकों ने जताया विरोध

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला ट्रेन चालकों ने ड्यूटी के दौरान वॉशरूम ब्रेक का अनुरोध करने के लिए वॉकी-टॉकी का उपयोग करने के शर्मनाक और असुरक्षित चलन का विरोध किया है। एक महिला लोको पायलट ने कहा कि यदि हमें शौचालय जाने के लिए अनुरोध करना होता है तो हमें पुरुष लोको

पायलट को बताना होता है, जो स्टेशन मास्टर को सूचित करता है। फिर स्टेशन मास्टर इसे आगे नियंत्रण विभाग को बताता है।

उन्होंने कहा कि ये सभी बातचीत रेंज के दर्जनों अन्य अधिकारियों तक भी वॉकी-टॉकी के माध्यम से पहुंचती हैं। स्टेशन पर हर जगह यह संदेश प्रसारित हो जाता है कि एक महिला लोको पायलट शौचालय जाना चाहती है।

महिला चालकों ने कहा कि अनौपचारिक रूप से अपनाई गई यह मौजूदा व्यवस्था शर्मनाक है। उनकी सुरक्षा से समझौता करने के समान है। उनके अनुसार, भारतीय रेलवे में कार्यरत 1700 से अधिक महिला ट्रेन चालकों में से 90 प्रतिशत सहायक लोको पायलट हैं। ये यात्री रेल या मालगाड़ियों के पुरुष लोको पायलट के सहायक के रूप में काम करती हैं।

एक अन्य महिला लोको पायलट ने बताया कि एक बार जब मैं एक मालगाड़ी पर पुरुष चालक के साथ ड्यूटी पर थी तो मुझे इस कठिन परीक्षा से गुजरना पड़ा। एक यात्री ट्रेन में कोई चालक किसी भी डिब्बे में शौचालय जा सकता है, लेकिन मालगाड़ी के मामले में आपको स्टेशन पर उतरना होगा।

56 इंच के सीने में बहस का निमंत्रण स्वीकार करने का साहस नहीं, कांग्रेस महासचिव जयराम ने पीएम मोदी पर कसा तंज

नईदिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, राहुल गांधी के साथ बहस का निमंत्रण स्वीकार करने की अभी तक हिम्मत नहीं जुटा सके हैं। 56 इंच का सीना सार्वजनिक बहस का निमंत्रण स्वीकार करने का साहस नहीं जुटा पाया है। न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) मदन बी लोकुर, न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) अजीत पी शाह और एन

राम ने पिछले सप्ताह कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर लोकसभा चुनाव के प्रमुख मुद्दों पर बहस के लिए एक मंच पर आमंत्रित किया था। राहुल गांधी ने शनिवार को पीएम मोदी के साथ बहस का निमंत्रण स्वीकार कर लिया और यह भी कहा कि देश को उम्मीद है कि प्रधानमंत्री इसमें भाग लेंगे। जयराम ने एक्स पर पोस्ट किया, प्रधानमंत्री से बहस का निमंत्रण स्वीकार करते हुए राहुल गांधी द्वारा पत्र लिखे एक दिन बीत चुका है। तथाकथित 56 इंच के सीने ने अभी तक निमंत्रण स्वीकार करने की हिम्मत नहीं जुटाई। जयराम ने प्रधानमंत्री द्वारा दिए जा रहे साक्षात्कारों को भी प्रायोजित बताया। कहा कि उनके द्वारा अखबारों और टीवी चैनलों को दिए जा रहे साक्षात्कार सुनियोजित हैं। जयराम ने कहा, प्रधानमंत्री के अखबारों और टीवी चैनलों को दिए गए साक्षात्कार पूरी तरह से सफेद झूठ हैं, जिनका सामना इन दिनों हमारे देश को करना पड़ रहा है। हर छोटे से छोटे विवरण को प्रधानमंत्री द्वारा व्यवस्थित और प्रबंधित किया जाता है। उनके झूठ और नाटकीयता को छोड़कर उनके साक्षात्कार में कोई भी चीज स्वाभाविक या सहज नहीं है।

लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में 12 प्रतिशत से भी कम महिला उम्मीदवार

एडीआर ने की 20 मई को होने वाले चुनाव से पहले की घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा चुनावों के पांचवें चरण में 12 प्रतिशत से भी कम महिला उम्मीदवार हैं। यह जानकारी एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफार्म्स या एडीआर ने विश्लेषण के आधार पर दी है। एडीआर ने कहा कि 20 मई को होने वाले पांचवें चरण के मतदान के लिए चुनाव मैदान के कुल 695 उम्मीदवारों में से केवल 82 महिलाएं हैं। 695 उम्मीदवारों में से लगभग 18 प्रतिशत (122 उम्मीदवार) पर गंभीर आपराधिक मामले लंबित हैं। इनमें हत्या, हत्या की कोशिश, महिलाओं के खिलाफ अपराध और नफरत फैलाने वाले भाषण से संबंधित मामले हैं। एडीआर और नेशनल इलेक्शन वाच ने पांचवें चरण में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों द्वारा दायर किए गए हलफनामों का विश्लेषण किया। भाजपा के 40 में से 12, कांग्रेस के 18 में से सात, एआइएमआइएम के चार में से दो, सपा के 10 में से चार, तृणमूल के सात में से दो उम्मीदवारों ने अपने खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। 33 प्रतिशत उम्मीदवार करोड़पति हैं। प्रति उम्मीदवार औसत संपत्ति 3.56 करोड़ रुपये है। पांचवें चरण के केवल 50 प्रतिशत उम्मीदवारों ने स्नातक या उससे अधिक की योग्यता है। पांच उम्मीदवार निरक्षर हैं।

दिल्ली में फिर तूफानी मौसम के आसार, आंधी-बारिश का यलो अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली एनसीआर के इलाकों में रात को तेज रफ्तार आंधी ने भारी नुकसान किया। तूफानी हवाओं के चलते हुए हादसों में एक युवती समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 23 अन्य घायल हो गए। दिल्ली में शनिवार तड़के तक कुछ इलाकों में बूंदाबांदी देखी गई। इससे मौसम सुहावना बना हुआ है। मौसम विभाग का कहना है कि दिल्ली में अगले तीन दिनों तक गर्मी से राहत बनी रहेगी। खासकर अगले 24 घंटे के दौरान तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश को लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है।

एक पश्चिमी विक्षोभ उत्तरी पाकिस्तान पर साइक्लोनिक सर्कुलेशन के रूप में बना हुआ है। एक अन्य साइक्लोनिक सर्कुलेशन पश्चिमी यूपी और दूसरा दक्षिणी राजस्थान पर मौजूद है। इससे उत्तर पश्चिमी भारत में मौसम बिगड़ने के आसार हैं। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के दौरान को दिल्ली में गरज, चमक और तेज हवाओं के साथ छिटपुट हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है। इसको लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान हवा की स्पीड 50 किलोमीटर प्रति घंटे रह सकती है।

आईएमडी का कहना है कि दिल्ली में 15 मई तक बादलों की आवाजाही देखी जाएगी। दिल्ली वालों को मंगलवार तक गर्मी से कुछ राहत रहेगी और अधिकतम तापमान 40 डिग्री से कम रहेगा। इसके बाद 16 मई से दिल्ली में एक बार फिर तापमान में बढ़ोत्तरी देखने को मिलेगी और लोगों को भीषण गर्मी की मार झेलनी पड़ेगी। दिल्ली में 18 मई तक तापमान 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। 17 और 18 मई को हवा की रफ्तार 25 से 35 किलोमीटर प्रति घंटे रह सकती है।

मौसम विभाग का अनुमान है कि बुधवार के बाद दिल्ली का अधिकतम तापमान 41 डिग्री को पार कर जाएगा। गुरुवार को अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। दिल्ली के ज्यादातर हिस्सों में सुबह से ही तेज चमकदार सूरज निकला रहा। दिन के समय हल्के बादलों की आवाजाही रही। खासतौर पर शाम को तीन बजे के बाद बादल घने होने लगे। इस दौरान, पीतमपुरा व अन्य कुछ जगहों पर बेहद हल्की बूंदाबांदी हुई। दिल्ली की मानक वेधशाला सफदरजंग में दिन का अधिकतम तापमान 39.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। जबकि, न्यूनतम तापमान 25.8 डिग्री सेल्सियस रहा।

दिल्ली का नजफगढ़ क्षेत्र दिन में सबसे गर्म रहा। यहां का अधिकतम तापमान 41.2 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। जबकि, स्पोर्ट्स कांप्लेक्स क्षेत्र की रात भी खासी गर्म रही। यहां का न्यूनतम तापमान 30.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। मौसम विभाग का अनुमान है कि सोमवार को दिन का अधिकतम तापमान 40 और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। इस दौरान इक्का-दुक्का इलाकों में बूंदाबांदी हो सकती है जबकि, दिन भर धूप निकलने से अब दिल्ली के तापमान में धीरे-धीरे इजाफा होगा।

17 मई तक अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। मौसम के अलग-अलग कारकों के चलते दिल्ली की हवा साफ-सुथरी बनी हुई है। धूल कणों में बढ़ोतरी के चलते सुबह के समय दिल्ली का सूचकांक 200 से ऊपर यानी खराब श्रेणी में पहुंच गया था। लेकिन, दिन के समय चली हवाओं के चलते धूल कण के स्तर में कमी आई और रविवार को दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 183 के अंक पर यानी मध्यम श्रेणी में रहा। अगले दो दिनों के बीच भी ‍त्त्ह्र मध्यम श्रेणी में रहने का अनुमान है।

दिल्ली के बड़े अस्पतालों में गर्मी की छुट्टियों पर जा रहे डॉक्टर

दिल्ली । राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के बड़े अस्पतालों में गर्मी के सीजन की छुट्टियां अब शुरू होने वाली हैं। एम्स दिल्ली समेत केंद्र सरकार के अस्पताल सफदरजंग, आरएमएल लेडी हार्डिंग में वरिष्ठ डॉक्टर यानी फैकल्टी सदस्य 15 मई से ग्रीष्मकालीन आकाश पर रहेंगे। इस दौरान ओपीडी आने वाले रोगियों को थोड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में रोगी और उनके तीमारदारों को अपने डॉक्टर से जरूरी सलाह पहले ले लेनी चाहिए।

बताया जाता है कि 15 मई से 16 जुलाई के बीच दो चरणों में संस्थान के सभी डॉक्टर अवकाश पर रहेंगे। प्रबंधन ने सभी विभागों को निर्देश जारी करते हुए छुट्टी पर जाने वाले डॉक्टरों का रोस्टर तैयार कर दिया है।

अस्पतालों में वरिष्ठ डॉक्टरों की उपस्थिति 50 फीसदी से कम ना हो, इसके लिए प्रबंधन ने 15 मई से 14 जून और 16 जून से 15 जुलाई तक दो अलग-अलग चरण में छुट्टी देने का फैसला किया है।

इस बीच एम्स दिल्ली ने अपने कैफेटेरिया में 100 फीसदी डिजिटल भुगतान प्रणाली लागू की है। समाचार एजेंसी एएनआई की रिपोर्ट के मुताबिक, एम्स ने यह निर्णय निदेशक डॉ. एम श्रीनिवास के मार्गदर्शन में लिया है। जारी बयान में कहा गया है कि यह फैसला संस्थान के आधुनिकीकरण और सुविधा के प्रति प्रतिबद्धता के अनुरूप कैशलेस वातावरण को बढ़ावा देने के मकसद से लिया गया है। यह देखा जा रहा था कि एम्स कैफेटेरिया में डिजिटल भुगतान के साथ-साथ नकद लेनदेन अभी भी किया जा रहा था। हालांकि पूर्व में ही कैशलेस लेनदेन को बढ़ावा देने के निर्देश लिए जा चुके थे।

प्रशासन ने साफ कर दिया है कि सभी कैफेटेरिया काउंटरों पर केवल स्मार्ट कार्ड, यूपीआई, क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड जैसे डिजिटल भुगतान स्वीकार किए जाएंगे। प्रो. एम श्रीनिवास ने कहा कि 100 फीसदी डिजिटल भुगतान कर्मचारियों, आगंतुकों और हितधारकों के लिए पारदर्शिता, सुरक्षा और सुविधा को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हम सभी से सहयोग करने का आग्रह करते हैं कि बेहतर कैफेटेरिया अनुभव के लिए इस नई प्रणाली के तहत भुगतान करें।

ब्लिंकन ने इजराइल से गाजा में सहायता कर्मियों की सुरक्षा के लिए कदम उठाने को कहा

तेल अवीव , एजेंसी। झअमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने इजरायली सरकार से गाजा में चल रहे युद्ध के दौरान नागरिकों और सहायता कर्मियों की सुरक्षा के लिए तत्काल कदम उठाने का आह्वान किया है। इजराइल के रक्षा मंत्री के कार्यालय ने आईएएनएस को बताया कि ब्लिंकन ने इजरायल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट से फोन पर बात की और उन्हें रफा ऑपरेशन समेत गाजा की स्थिति के बारे में जानकारी दी। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने एक बयान में कहा कि ब्लिंकन ने गैलेंट से बात करते हुए नागरिकों और सहायता कर्मियों की सुरक्षा के लिए तत्काल कदम उठाने पर जोर दिया।

मिलर ने बयान में यह भी कहा कि ब्लिंकन ने इजरायल की सुरक्षा के प्रति अमेरिकी प्रतिबद्धता और हमास की हार के साझा उद्देश्य की पुष्टि की है। सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी (सीआईए) के निदेशक विलियम बर्न्स ने रविवार को इजरायल को पेशकश की थी कि अगर इजरायल रफा के आक्रमण को समाप्त कर देता है तो वह हमास के सैन्य नेता याह्या सिनवार को ढूंढ निकालने में मदद करेगा। इजरायली रक्षा मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, इजरायली सेना पहले ही रफा क्षेत्र से कई हजार लोगों को हटा चुकी है और जमीनी आक्रमण जारी है।

बड़बोले मालदीव के पायलट भारतीय हेलीकॉप्टर उड़ाने में सक्षम नहीं, खुद रक्षामंत्री ने स्वीकारी बात

माले , एजेंसी। मालदीव के रक्षामंत्री घासन मौमून ने स्वीकार किया है कि मालदीव की सेना के पास अभी भी भारत द्वारा दान किए गए दो हेलीकॉप्टर और एक डोर्नियर विमान को चलाने में सक्षम पायलट नहीं हैं। घासन ने शनिवार को राष्ट्रपति कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा, कुछ पायलटों को पिछली सरकारों द्वारा किए गए समझौतों के तहत डोर्नियर और दो हेलीकॉप्टरों को उड़ाने का प्रशिक्षण देना शुरू किया गया था। उन्होंने कहा कि हमारे सैनिक विभिन्न कारणों से इसे पूरा नहीं कर पाए। इसलिए इस समय मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल (एमएनडीएफ) के पास मालदीव का कोई ऐसा पायलट नहीं है जो भारतीय सेना द्वारा दान किए गए हेलीकॉप्टरों और विमान को संचालित कर सके। गौरतलब है कि चीन समर्थक मुइज्जू के राष्ट्रपति बनने के बाद से भारत मालदीव के संबंध तनावपूर्ण हैं। मुइज्जू ने भारतीय सैन्यकर्मियों को वापस भेजने को चुनावी मुद्दा बनाया था। उनके राष्ट्रपति बनने के बाद भारतीय सैन्यकर्मी भारत लौट चुके हैं। पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद नशीद और अब्दुल्ला यामीन की सरकार के दौरान दान किए गए हेलीकाप्टरों और पूर्व राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह की सरकार के दौरान लाए गए डोर्नियर विमान को चलाने के लिए

मालदीव के लोगों को प्रशिक्षण देने के लिए भारतीय सैनिक मालदीव में थे।

मालदीव में भारत समर्थित परियोजनाओं में तेजी लाने में प्रगति- मालदीव के विदेश मंत्री मूसा जमीर ने कहा कि भारत समर्थित परियोजनाओं में तेजी लाने में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। जमीर आठ से 10 मई तक भारत दौरे पर थे। जमीर ने कहा कि भारत ने मालदीव को 20 करोड़ अमेरिकी डालर के ऋण में से 15 करोड़ डालर की पुनर्भुगतान समय सीमा बढ़ाने के लिए हरी झंडी दे दी है। भारत सरकार ने इसके बदले कोई मांग नहीं की है। पांच करोड़ डालर जनवरी में चुका दिए गए थे। यह ऋण पिछली सरकार के कार्यकाल में लिया गया था। ऊधर मालदीव के विदेश मंत्री मूसा जमीर ने कहा कि भारत समर्थित परियोजनाओं में तेजी लाने में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। उन्होंने परियोजनाओं को पूरा करने को प्राथमिकता देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की प्रशंसा की। जमीर आठ से 10 मई तक भारत दौरे पर थे। यहां उन्होंने भारतीय समकक्ष एस जयशंकर से मुलाकात की। जमीर ने कहा कि भारत ने मालदीव को 20 करोड़ डॉलर के ऋण में से 15 करोड़ डॉलर की पुनर्भुगतान समय सीमा बढ़ाने के लिए हरी झंडी दे दी है। यह ऋण पिछली सरकार के कार्यकाल में लिया गया था।

सुअर की किडनी लगवाने वाले व्यक्ति की मौत, दो महीने तक रहे थे जिंदा

मैसाचुसेट्स, एजेंसी। अमेरिका के मैसाचुसेट्स में एक व्यक्ति को सुअर की किडनी लगाई गई थी। सुअर की किडनी लगने वाला वह पहला इंसान था। हालांकि लगभग दो माह बाद उसका निधन हो गया। ये तो हम सभी जानते ही हैं कि मेडिकल साइंस ने काफी तरक्की कर ली है। अमेरिका के मैसाचुसेट्स में एक व्यक्ति को सुअर की किडनी लगाई गई थी। सुअर की किडनी लगने वाला वह पहला इंसान था। हालांकि लगभग दो माह बाद उसका निधन हो गया। एक आंकड़े की मानें दो दुनियाभर में लगभग 1 लाख लोग हैं, जो कि अंगदान का इंतजार कर रहे हैं। लेकिन काफी का इंतजार कभी खत्म नहीं हो पाता। वहीं दूसरी ओर मेडिकल साइंस नित नए प्रयोग कर रही है ताकि लोगों के अंगदान के लिए लंबा इंतजार न करना पडे। विशेषज्ञ शोध कर रहे हैं कि जानवरों के अंगों का प्रयोग मानव शरीर के लिए किया जा सके। जानवरों के अंग का मानव शरीर में प्रत्यारोपण किया जा सके। ऐसा ही एक प्रयोग अमेरिका के मैसाचुसेट्स के निवासी रिक स्लेमैन के साथ हुआ। 62 वर्षीय रिक स्लेमैन को पिछले साल पता चला कि वे किडनी की गंभीर बीमारी से ग्रसित हैं। बीमारी भी अंतिम चरण पर थी। ऐसे में उनके पास किडनी प्रत्यारोपण के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं था। डॉक्टर ने उनको समझा बुझाकर सुअर की किडनी लगवाने के लिए राजी कर लिया।

बेटी के सामने सैनिक को चाकू मार रही थी प्रेमिका

पत्नी बोली- उसने बिल्कुल भी नहीं दिखाई दया

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिकी सैनिक के रूस में गिरफ्तार होने वाली खबरों के बीच नए खुलासा हुआ है। सैनिक की पत्नी ने एक न्यूज रिपोर्ट में दावा किया है कि गिरफ्तारी से पहले उसकी अपने पति से फोन पर वीडियो कॉल में बात हुई थी। महिला ने बताया कि मैं और मेरी 6 साल की बेटी भी वीडियो कॉल में उससे बात कर रहे थे। तभी उसकी (सैनिक) अपनी प्रेमिका से लड़ाई हो गई। कुछ ही पलों में झगड़ा इतना बढ़ गया कि उसकी रूसी प्रेमिका ने चाकू से उस पर हमला कर शुरू कर दिया। यह घटना देखकर मैं बुरी तरह डर गई। हम वीडियो कॉल के दौरान उसके चेहरे पर खून देख सकते थे। इतना खून बह जाने के बाद भी वह नहीं रुकी और लगातार हमलावर थी। फिर कुछ ही देर में फोन कट गया। न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, महिला ने खुलासा किया कि वीडियो कॉल के दौरान अपने पिता को खून से लथपथ देखकर 6 साल की मासूम बेटी बुरी तरह डर गई थी। बता दें कि अमेरिकी सैनिक गॉर्डन ब्लैक के रूस में गिरफ्तार होने को लेकर दोनों देशों के बीच तनाव फिर बढ़ गया है। ब्लैक पर उसकी प्रेमिका ने चोरी करने और उसका यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। रूस में इस तरह के आरोपों में सख्त सजा का प्रावधान है। ब्लैक की पत्नी अपने पति की कुशलक्षेप को काफी चिंतित है। महिला ने बताया कि दक्षिण कोरिया में ड्यूटी के बाद ब्लैक का घर लौटने का प्रोग्राम था लेकिन, फिर पता नहीं क्या हुआ जो वह रूस चला गया। अमेरिकी रक्षा सूत्रों की खुफिया रिपोर्ट यह भी है कि ब्लैक दक्षिण कोरिया से ही उस रूसी लड़की को डेट कर रहा था। वह रूसी महिला दक्षिण कोरिया में रह रही थी। अमेरिकी अधिकारियों ने इस बात का खुलासा नहीं किया कि ऐसा क्या हुआ जो ब्लैक को अमेरिका वापस आने के बजाय रूसी प्रेमिका के साथ रूस जाना पड़ा। अमेरिका का कहना है कि इस पूरे मामले में दक्षिण कोरिया का स्थानीय प्रशासन भी संदेह के घेरे में है। वह मामले की अपने स्तर पर जांच कर रहे हैं और रूसी अधिकारियों के साथ ब्लैक की खबर को लेकर लगातार संपर्क में हैं। समाचार एजेंसी रॉयटर्स को दिए इंटरव्यू में सैनिक की पत्नी मेगन ने बताया कि वीडियो कॉल के दौरान उस रूसी

महिला ने कथित तौर पर उसके चेहरे पर नाखून मारे और फिर चाकू से वार किया। उन्होंने कहा कि उनके 34 वर्षीय पति के चेहरे पर खून लगा हुआ था, जिसे देखकर उनकी परेशान बेटी रो रही थी। रॉयटर्स ने प्रेमिका का नाम नहीं बताया, लेकिन रिपोर्ट के अनुसार, ब्लैक एलेक्जेंड्रा वाशचुक नाम की रूसी महिला को डेट कर रहे थे।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रकः- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय

कार्यालय पताः-एच. 21 अंकित अपार्टमेंट ब्रजेश्वरी एनएक्स, इंदौर मध्यप्रदेश मोः- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार, आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।